रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

शुक्रवार
16 जनवरी -2026
वर्ष 10, अंक 133
पेज 8, मूल्य 2 रुपए
रांची

आर्मी का रॉकेट-मिसाइल फोर्स बनाने पर जोर

● जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा-ईरान बन सकता है नजीर ● जनरल ने कहा-इससे अमेरिका-इजरायल भी कांपते हैं!

नई दिल्ली (एजेंसी)। अभी दुनिया भर में जितने भी संघर्ष हो रहे हैं, उसने एक बात तो साफ कर दिया है कि अब परंपरागत युद्ध के दिन बीत चुके हैं। आज बात सिर्फ मॉडर्न वॉरफेयर, नॉन-कॉन्टैक्ट वॉरफेयर की हो रही है। भारत तो खुद ही ऑपरेशन सिंदूर में इसे आजामा चुका है, जिसके आगे पाकिस्तान के अमेरिकी और चीनी हथियार घुटने टेक चुके हैं लेकिन, भारतीय सेना इतने भर से संतुष्ट नहीं है। हम पूरे साल दो मोर्चों पर अपने चीन-पाकिस्तान जैसे दुश्मन पड़ोसियों के खतरे का सामना करते हैं। इसी को देखते हुए, भारत रॉकेट-मिसाइल फोर्स गठित करने की सोच रहा है क्योंकि, इस मामले में चीन हमसे बहुत आगे है तो पाकिस्तान ने भी ऐसी मिलिट्री यूनिट बना ली है।

रॉकेट-मिसाइल फोर्स समय की जरूरत- भारत 15 जनवरी, 2026 को हर साल की तरह सेना दिवस मना रहा है। इसी मौके पर हाल ही में आयोजित एक कार्यक्रम में भारतीय सेना के प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवदी ने भी इस बात पर जोर दिया कि सुरक्षा आवश्यकताएं ऐसी स्पेशलाइज्ड मिलिट्री यूनिट की ओर देखने को कह रही हैं, जिसमें एक कमांड के भीतर लंबी दूरी के रॉकेट और मिसाइल तैनात हों। उन्होंने कहा, हम एक रॉकेट-मिसाइल फोर्स की ओर देख रहे हैं, क्योंकि पाकिस्तान ने एक रॉकेट फोर्स गठित कर लिया है और चीन ने भी ऐसी फोर्स बना ली है। यह समय की जरूरत है। **अभी अलग-अलग यूनिट संभालते हैं-** अभी भारत के मिसाइल और रॉकेट भंडार को आर्मी एयर डिफेंस कोर और आर्टिलरी रेजिमेंट संभालते हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद से भारत ने अपनी लंबी-दूरी की मारक क्षमताओं को बढ़ा रहा है।

रांची ईडी ऑफिस में जांच करने पहुंची झारखंड पुलिस

● अधिकारियों पर पूछताछ के नाम पर मारपीट का है आरोप

रांची (एजेंसी)। रांची के ईडी ऑफिस में झारखंड पुलिस जांच करने के लिए पहुंची है। दरअसल, ईडा के दो अफसरों पर एक व्यक्ति ने पूछताछ के नाम पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। उसकी शिकायत के आधार पर पुलिस ने यह कार्रवाई की है। ईडी दफ्तर में सदर एसडीओपी और एयरपोर्ट थाना के प्रभारी मौजूद हैं। वहीं ईडी ने सुरक्षा के लिहाज से सेंट्रल पुलिस फोर्सेस को बुलाया है। रांची पुलिस की ओर से अब भी जांच

चल ही रही है। रांची के चुटिया के संतोष कुमार ने प्रवर्तन निदेशालय के दो अधिकारियों पर मारपीट, जानलेवा हमला, गाली-गलौज और धमकी देने का आरोप लगाते हुए एयरपोर्ट थाना में एफआईआर दर्ज कराई है। इस मामले में ईडी के असिस्टेंट डायरेक्टर प्रतीक और असिस्टेंट शुभम को आरोपी बनाया गया है। संतोष पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के स्वर्णरेखा शीर्ष कार्य प्रमंडल रांची में कैशियर हैं। उन पर शहरी जलापूर्ति योजना की राशि में से 20 करोड़ रुपए से अधिक का गबन करने का आरोप है। पहले उन्हें रांची पुलिस ने गिरफ्तार किया था। अभी वे जमानत पर जेल से बाहर हैं। घोटाले के इस मामले की जांच ईडी कर रही है। इधर, संतोष की ओर से दर्ज प्राथमिकी के अनुसार जांच हो रही है।

जम्मू-कश्मीर को दो अलग राज्य बनाने की मांग

● सज्जाद लोन बोले-सौहार्द्रपूर्ण अलगाव पर विचार का समय

श्रीनगर (एजेंसी)। पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद लोन ने जम्मू और कश्मीर को दो अलग राज्यों में बांटने की मांग की है। उन्होंने कहा कि अब दोनों क्षेत्रों के बीच सौहार्द्रपूर्ण अलगाव पर गंभीरता से विचार करने का समय आ गया है। लोन ने कहा कि कश्मीर ऐसे क्षेत्रीय रवैये को बर्दाशत नहीं कर सकता, जो लगातार कश्मीरियों को बदनाम करता रहा। देश के बाकी हिस्सों में यह धारणा फैलाए कि जम्मू देश के साथ है और कश्मीर आतंकवाद का क्षेत्र है। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मंत्री सज्जाद लोन ने यह बातें बुधवार को एक

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहीं। कुछ दिन पहले भाजपा के जम्मू नॉर्थ से विधायक श्याम लाल शर्मा ने जम्मू को अलग राज्य बनाने की मांग की थी। उन्होंने कहा था कि जम्मू अब कश्मीर का बोझ नहीं उठा सकता। लोन ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से कश्मीर के बडगाम में नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी स्थापित करने का चुनावी वादा पूरा करने की मांग की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पद की गरिमा यही है कि किए गए वादे को निभाया जाए और यूनिवर्सिटी बडगाम में ही रहे लोन ने कहा कि अब दोनों क्षेत्रों के बीच प्रशासनिक व्यवस्था पर नए सिरे से विचार किया जाना चाहिए।

आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था

● पीएम बोले-कुछ सालों में 25 करोड़ भारतीय गरीबी से बाहर निकले

28वें सीएसपीओसी का उद्घाटन,42 देशों के 61 स्पीकर्स रहे शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को संसद परिसर में 28वें कॉमनवेल्थ स्पीकर्स और प्रेसाइडिंग ऑफिसर्स कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन किया। पीएम मोदी ने कहा कि आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। पिछले कुछ सालों में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकले हैं। पीएम मोदी ने कॉन्फ्रेंस में कहा

कि भारत में यूपीआई दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल पेमेंट सिस्टम है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा वैक्सीन प्रोड्यूसर है। दुनिया का नंबर-2 स्टील प्रोड्यूसर है। दुनिया का तीसरा बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है। दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा एविएशन मार्केट है। दुनिया का चौथा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है।

भारत ने विविधता को अपने लोकतंत्र की ताकत में बदल दिया है

जब भारत आजाद हुआ तब उस दौर में आशंका व्यक्त की गई थी कि इतनी विविधता में भारत में लोकतंत्र टिक नहीं पाएगा लेकिन भारत ने विविधता को अपने लोकतंत्र की ताकत में बदल दिया है। कोविड-19 महामारी के दौरान जब पूरी दुनिया संकट का सामना कर रही थी, भारत भी कई चुनौतियों का सामना कर रहा था। इसके बावजूद उन कठिन परिस्थितियों में भी भारत ने 150 से अधिक देशों को दवाइयां और वैक्सीन उपलब्ध कराई। यह हमारे सिद्धांत को दर्शाता है- 'पहले लोग, पहले मानवता।' आप जिस स्थान पर बैठे हैं, वह भारत के लोकतांत्रिक सफर का महत्वपूर्ण स्थल है। स्वतंत्रता के अंतिम सालों में इसी सेंट्रल हॉल में संविधान सभा की बैठकें हुई थीं।

● भारतीय लोकतंत्र का मजबूत स्तंभ महिलाओं का प्रतिनिधित्व- भारतीय लोकतंत्र का एक और मजबूत स्तंभ महिलाओं का प्रतिनिधित्व है। हमारे देश की प्रथम नागरिक राष्ट्रपति महिला हैं। दिल्ली की मुख्यमंत्री भी महिला हैं। ग्रामीण और स्थानीय निकायों में भारत में लगभग 15 लाख महिला निर्वाचित प्रतिनिधि हैं। ये लगभग 50 प्रतिशत नेतृत्व का प्रतिनिधित्व करती हैं, जो वैश्विक स्तर पर अभूतपूर्व है। सीएसपीओसी को संबोधित करते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि हम आज दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में लोकतांत्रिक संवाद, सहयोग और साझा मूल्यों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जुटे हैं। यहां संसदीय लोकतंत्र से जुड़ी प्रक्रियाओं, पहलों और अनुभवों को साझा किया जाएगा।

आई-पैक रेड मामले में ममता को 'सुप्रीम' झटका

● सर्वोच्च न्यायालय ने कहा-ईडी के काम में रुकावट न डालें
● यह गंभीर मामला, ममता सरकार को जारी कर दिया नोटिस

जांच एजेंसी के खिलाफ दर्ज एफआईआर पर भी लगाई रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता में 8 जनवरी को आई-पैक रेड मामले में ईडी की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल सरकार को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने सीएम ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार से दो हफ्तों के भीतर जवाब मांगा और कहा कि केंद्रीय एजेंसी के आरोप गंभीर है। जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस विपुल पंचोली की बेंच ने कहा कि सरकार ईडी के काम में दखल न डालें। एजेंसी को अपना काम करने दें। कोर्ट ने 3 फरवरी को अगली सुनवाई तक ईडी अधिकारियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर पर भी रोक लगा दी है। ममता बनर्जी बनाम ईडी मामले पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई पूरी हो गई है।

● हाईकोर्ट को जंतर-मंतर बना दिया गया- ईडी की तरफ से बहस करते हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि 9 जनवरी को कोलकात्ता हाईकोर्ट को भी भीड़तंत्र का शिकार बनाया गया। हाईकोर्ट में वैसे वकीलों की भीड़ इकट्ठा की गई जिनका केस से कोई संबंध नहीं था।

अमेरिका की धमकी के बाद शिया देश का सरेंडर

● पीछे हटा ईरान, विदेश मंत्री बोले-कोई फांसी नहीं ● ट्रम्प का दावा-प्रदर्शनकारियों की हत्याएं अब रुकीं

वॉशिंगटन (एजेंसी)। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की धमकियों के बाद ईरान प्रदर्शनकारियों को फांसी देने के फैसले से पीछे हट गया है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराकची ने बुधवार को कहा कि ईरान की ओर से लोगों को फांसी देने की कोई योजना नहीं है।

विदेश मंत्री ने फॉक्स न्यूज के स्पेशल रिपोर्ट विद ब्रेट बेयर कार्यक्रम में दिए एक इंटरव्यू में कहा, फांसी देने की कोई योजना नहीं है। फांसी का तो सवाल ही नहीं उठता। वहीं, बुधवार को ट्रम्प ने भी बताया कि ईरान में प्रदर्शनकारियों की हत्याएं

रुक गई हैं। इससे पहले ईरान सरकार ने प्रदर्शनकारियों पर तेज ट्रायल और जल्दी से फांसी देने का ऐलान किया था। ईरान बुधवार को 26 साल के प्रदर्शनकारी इरफान सुलतानी को फांसी देने वाला था। इस फैसले के बाद ट्रम्प ने ईरान को कड़ा जवाब देने की धमकी दी थी। ट्रम्प ने कहा,अगर वे फांसी देते हैं, तो आप कुछ भयानक देखेंगे। ईरान ने सरकारी टीवी चैनल पर राष्ट्रपति ट्रम्प को जान से मारने की धमकी जारी की थी। रिपोर्ट के मुताबिक धमकी पर्शियन में थी। इस धमकी में पेंसिल्वेनिया के बटलर में 2024 में टम्प पर हुए जानलेवा हमले की फुटेज दिखाई गई। जिसके साथ एक संदेश था इस बार गोली निशाने से नहीं चूकेगी। यह ट्रम्प के खिलाफ तेहरान की अब तक की सबसे सीधी धमकी है, इससे पहले ट्रम्प ने ही बार-बार ईरान सरकार को धमकी दी है कि अगर वह विरोधी प्रदर्शनकारियों पर अपनी क्रूर कार्रवाई जारी रखती है तो अमेरिका उस पर हमला करेगा।

ट्रम्प बोले- प्रिंस रजा पहलवी अच्छे लगते हैं

ट्रम्प ने बुधवार को कहा कि ईरानी विपक्षी नेता रजा पहलवी उन्हें काफी अच्छे लगते हैं। हालांकि, उन्होंने इस बात पर अनिश्चितता जताई कि उन्हें ईरान के भीतर समर्थन मिल पाएगा और वे नेतृत्व संभाल पाएंगे। रॉयटर्स के अनुसार, ट्रम्प ने कहा, मुझे नहीं पता कि वे अपने देश में कैसे व्यवहार करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि स्थिति अभी उस स्तर तक नहीं पहुंची है। ट्रम्प ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि ईरानी पहलवी के नेतृत्व को स्वीकार करेंगे या नहीं, लेकिन उन्होंने कहा, अगर वे स्वीकार करते हैं, तो मुझे कोई आपत्ति नहीं होगी। अमेरिका के साथ व्यापक विरोध प्रदर्शनों और तनाव के बीच ईरान ने बुधवार को 2 घंटे के लिए अधिकांश उड़ानों के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया था। फ्लाइटराडार24 के अनुसार, तेहरान ने बुधवार शाम 5 बजे के तुरंत बाद नोटिस टु एयर मिशन्स (नोटम) चेतावनी जारी की और ईरान से आने-जाने वाली अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को छोड़कर सभी उड़ानों पर रोक लगा दी। यह प्रतिबंध ऐसे समय में लगाया गया जब अमेरिका ने कतर स्थित अपने ठिकानों से कुछ कर्मियों को वापस बुलाना शुरू कर दिया। ईरान ने चेतावनी दी थी कि अगर वॉशिंगटन हमला करता है तो वह अमेरिकी ठिकानों पर हमला करेगा। इंडिगो, लुफ्थांसा और एयरोफ्लोट सहित कई एयरलाइंस प्रभावित हुईं और क्षेत्र में बढ़ते मिसाइल और ड्रोन हमलों के खतरे के बीच कई एयरलाइंस ने ईरानी हवाई क्षेत्र से बचने का फैसला किया।

यूपी में कोहरा,4 हादसे-8 गाड़ियां टकराईं,एक की मौत

शिमला-जम्मू से ज्यादा ठंड, पारा 3 डिग्री,अभी और बिगड़ेगा मौसम

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में कड़ाके की ठंड जारी है। बर्फीली हवाओं की वजह से रात का तापमान शिमला (7 डिग्री) और जम्मू (4.4 डिग्री) से भी नीचे पहुंच गया है। पिछले 24 घंटों के दौरान पूरे प्रदेश में तापमान 10 डिग्री से नीचे रिकॉर्ड किया गया। इस दौरान हरदोई सबसे ठंडा रहा, यहां पारा 3 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। रायबरेली में पारा 3.4, बरेली में 3.5 और कानपुर नगर में 3.8 और अलीगढ़ में 4 डिग्री दर्ज किया गया। इस बीच मौसम विभाग ने 18 जनवरी से बारिश का अलर्ट जारी किया है। गुरुवार सुबह आगरा, बरेली, गाजियाबाद, गोंडा, हाथरस, संभल समेत 30 जिलों में घना कोहरा छाया रहा। कई जगह विजिबिलिटी 10 मीटर से भी कम हो गई। कोहरे के चलते 4 भीषण हादसों में एक की मौत हो गई, जबकि करीब 10 लोग घायल हो गए। पहला हादसा मेरठ में हुआ। यहां देर रात दो कारें टकरा गईं। हादसे में कार ड्राइवर को चोटें आईं। दूसरा-संभल में गन्ने से लदी

ट्रैक्टर-ट्रॉली में बाइक जा घुसी। बाइक सवार की मौत हो गई। तीसरा- कुशीनगर में 3 ट्रक आपस में भिड़ गए। चौथा- बिजनौर में बस सड़क किनारे गड्ढे में गिर गई। इस दौरान 6 यात्री घायल हो गए। गोरखपुर, लखनऊ समेत 50 से ज्यादा ट्रेनें लेट चल रही हैं। वंदे भारत जैसी ट्रेनें भी तय समय से देरी से चल रही हैं। हवाई सफर पर भी कम विजिबिलिटी का असर पड़ा। करीब 10 फ्लाइट्स तय समय से देरी से उड़ीं। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने कहा-पश्चिम की तरफ से आने वाली हवाओं के चलते आने वाले 5 से 6 दिनों में प्रदेश के कई जिलों में न्यूनतम तापमान 4-6 डिग्री तक कम हो सकता है। 19 जनवरी से पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कहीं-कहीं बूंदा-बांदी के साथ छिटपुट बारिश भी हो सकती है। बिजनौर के भूतपुरी-ठाकुरद्वारा मार्ग पर शेरगढ़ गांव के पास एक निजी बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। यह हादसा सुबह करीब 9 बजे हुआ, कोहरे के कारण जब बस बेकाबू होकर सड़क के दाईं ओर गिर गई।

सामाजिक कार्यकर्ता सतीश सिंह ने आदिवासी मूलवासियों के बीच बांटा साड़ी-कंबल

खूंटी। ग्रामीणों को कड़कड़ी ठंड से राहत देने और जरूरतमंद लोगों की सेवा करने के उद्देश्य से सामाजिक कार्यकर्ता सतीश सिंह ने गुरुवार को खूंटी प्रखंड के बड़का रेगरे गांव, मुरेचकेल टोला सहित आसपास के क्षेत्रों में जरूरतमंदों के सैकड़ों आदिवासी मूलवासियों के बीच साड़ी और कंबल का वितरण किया। इस सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत हर समुदाय के आदिवासी-मूलवासी सहित सैकड़ों जरूरतमंद ग्रामीणों को लाभ पहुंचाया गया। कार्यक्रम के दौरान 100 से अधिक महिलाओं को साड़ी प्रदान की गई, वहीं कड़ाके की ठंड को देखते हुए सैकड़ों लोगों के बीच कंबल का वितरण किया गया। वस्त्र वितरण से ग्रामीणों में खुशी और उत्साह का माहौल देखते बनाता था। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता सतीश सिंह ने कहा कि ठंड के मौसम में गरीब एवं असहाय वर्ग को सबसे अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। सरकार की पहुंच जिस जगह नहीं जा रही। वहां पहुंचकर सामाजिक कार्य दायित्व का निर्वहन किया गया। आदिवासी मूलवासियों के बीच वस्त्र एवं कंबल वितरण किया गया है। उन्होंने कहा कि समाज के कमजोर वर्ग की सेवा से आत्मिक संतोष और मानसिक शांति मिलती है। भविष्य में भी इस तरह के जनसेवा कार्य लगातार जारी रहेंगे। साड़ी कंबल वितरण कार्यक्रम में मुख्य रूप से सतीश सिंह, मनोज सिंह, कृष्ण सिंह, सोनू कुमार सिंह, रंजीत सिंह सहित कई स्थानीय आदिवासी मूलवासी मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

पलामू में बाइक-कार की टक्कर, एक युवक की मौत

पलामू, एजेंसी। पलामू के तरहसी थाना क्षेत्र में सेवती डाक बंगला के पास एक तेज रफ्तार बाइक और कार की टक्कर हो गई। इस हादसे में बाइक चालक 28 वर्षीय मंदीप भुइयां की मौत हो गई। मंदीप पांकी के करार निवासी थे। पुलिस के अनुसार, बाइक गलत साइड से आकर एक कार से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मंदीप गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें बेहोशी की हालत में तरहसी पीएचसी ले जाया गया, जहां से एमएमसीएच रेफर कर दिया गया। पांकी विधायक डॉ. शशिभूषण मेहता ने दुर्घटनास्थल पर रुककर घायल युवक को अपने वाहन से तरहसी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाने में मदद की मृतक के परिजनों ने बताया कि मंदीप अपने एक साथी को मनातू छोड़ने गया था और वहां से वापस लौट रहा था। दूसरी ओर से आ रही कार बेदानी की ओर से आ रही थी। कार में महिला डांसर सहित अन्य लोग सवार थे, जो घटना के बाद वाहन छोड़कर फरार हो गए। हादसे में कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया, हालांकि इसमें सवार किसी को चोट नहीं आई। बाइक को ज्यादा नुकसान हुआ है। पुलिस ने दोनों वाहनों को जब्त कर लिया है। एमएमसीएच में इलाज के दौरान शाम को मंदीप भुइयां की मौत हो गई। अस्पताल पहुंची उनकी भाभी ने शव की पहचान की। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

केंदुआडीह में तालाब में डूबने से युवक की मौत

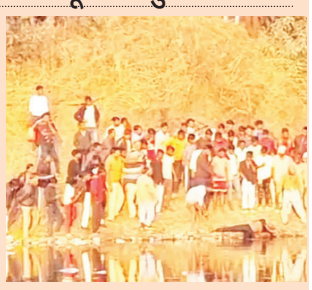

धनबाद, एजेंसी। धनबाद जिले के केंदुआडीह थाना क्षेत्र में बुधवार को बसेरिया तालाब में डूबने से करीब 30 वर्षीय शंभू निषाद की मौत हो गई। शंभू ईबी सेक्शन ऊपर धोड़ा के निवासी थे। घटना के बाद इलाके में अफरातफरी मच गई। बताया गया कि शंभू दोपहर के समय बसेरिया तालाब के पास पहुंचे थे और इसी दौरान वे पानी में डूब गए। आसपास मौजूद लोगों की नजर उन पर पड़ी तो उन्होंने शोर मचाया और तुरंत उन्हें बचाने का प्रयास शुरू किया। स्थानीय लोगों की मदद से काफी मशक्कत के बाद युवक को तालाब से बाहर निकाला गया। उस समय उनकी हालत गंभीर थी। सूचना मिलते ही केंदुआडीह थाना पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को इलाज के लिए धनबाद के शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (एसएनएमएमसीएच) भेजा। अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद शंभू को मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंचे, जहां उनका रो-रोकर बुरा हाल हो गया। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी है। केंदुआडीह थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

सरकारी स्कूलों को इस वित्तीय वर्ष में नहीं मिली विकास राशि, कार्य बाधित

रांची, एजेंसी। झारखंड के प्राथमिक और मध्य विद्यालयों को प्रतिवर्ष मिलने वाली विद्यालय विकास निधि चालू वित्तीय वर्ष में अब तक जारी नहीं की गई है। इस कारण प्रदेश के हजारों सरकारी विद्यालयों में दैनिक शैक्षणिक और प्रशासनिक कार्य बाधित हो गए हैं। शिक्षकों को विद्यालय संचालन के लिए जरूरी सामग्री अपनी जेब से खरीदनी पड़ रही है और कई विद्यालयों में बुनियादी व्यवस्था चरमरा गई है। अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ के मुख्य प्रवक्ता नसीम अहमद ने कहा कि विद्यालयों में पढ़ाई और प्रशासन के लिए आवश्यक खल्ली, झाड़ू, शौचालय सफाई सामग्री, साबुन, उपस्थिति पंजी, कैश बुक, मध्यान्ह भोजन पंजी, लेजर बुक, मीटिंग बुक और अन्य 40-45 प्रकार के अनिवार्य रजिस्टर की खरीद विकास निधि से होती है। लेकिन निधि नहीं मिलने से यह सब सामग्री समय पर उपलब्ध नहीं हो पा रही है। सबसे खराब स्थिति उन विद्यालयों की है, जहां एकल शिक्षक या पारा शिक्षक के भरोसे स्कूल चल रहा है। सीमित मानदेय में कार्यरत पारा शिक्षकों के लिए निजी खर्च के साथ विद्यालय संचालन का खर्च उठाना संभव नहीं हो पा रहा है, जिससे ऐसे विद्यालयों की स्थिति लगातार कमजोर होती जा रही है। विकास निधि के अभाव में विद्यालयों का रंग-रोगन नहीं हो पा रहा है, भवन जर्जर दिखने लगे हैं।

ईडी ऑफिस पहुंची रांची पुलिस

अधिकारियों पर लगा है पेयजल विभाग के क्लर्क से मारपीट का आरोप

रांची, एजेंसी। रांची के एयरपोर्ट थाना में ईडी के अधिकारियों पर दर्ज मारपीट के एक मामले में रांची पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों व जवानों की टीम ईडी कार्यालय पहुंची है।

ईडी कार्यालय के बाहर भारी संख्या में रांची पुलिस के जवानों की तैनाती हुई है। वहीं, ईडी कार्यालय के भीतर सदर डीएसपी, एयरपोर्ट थाना प्रभारी आदि पहुंचे हुए हैं। डीएसपी सिटी भी ईडी कार्यालय पहुंचे हैं। उनके साथ राज्य विधि विज्ञान प्रयोगशाला की टीम भी है।

पेयजल विभाग के एक क्लर्क ने आरोप लगाया है कि श्वष्ठ के सहायक निदेशक प्रतीक और उनके सहायक शुभम ने उसे ऑफिस बुलाया और उसके साथ मारपीट की।

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग में हुए 20 करोड़ के घोटाले के आरोपित संतोष कुमार पर रांची के सदर थाना में प्राथमिकी दर्ज हुई थी। रांची पुलिस ने संतोष कुमार को जेल भी भेजा था। वर्तमान में संतोष कुमार जमानत पर हैं।

इधर ईडी ने रांची के सदर थाने में दर्ज उक्त प्राथमिकी के आधार पर पीएमएल अधिनियम के तहत इसीआईआर (एन्फोर्समेंट केस इंफॉर्मेशन रिपोर्ट) दर्ज किया था। इसी सिलसिले में संतोष कुमार को ईडी ने पूछताछ के लिए बुलाया था।

संतोष कुमार का आरोप है कि ईडी ने पूछताछ के दौरान उनसे मारपीट की है। संतोष कुमार ने इस मामले में रांची के एयरपोर्ट थाने में ईडी के संबंधित अधिकारियों पर प्राथमिकी दर्ज की है।

एयरपोर्ट थाने में दर्ज प्राथमिकी के मामले में छानबीन के लिए रांची पुलिस की टीम ईडी कार्यालय पहुंची हुई है। रांची पुलिस की टीम ईडी कार्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज की तलाश में है, ताकि सच्चाई का पता चल सके।

हेमंत सोरेन को हाईकोर्ट से झटका, ईडी केस में राहत देने से किया इनकार

रांची, एजेंसी। झारखंड हाई कोर्ट ने हेमंत सोरेन की उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें उनकी ओर से एमपी-एमएलए कोर्ट के संज्ञान को चुनौती दी गई थी। हाई कोर्ट ने कहा कि इस स्टेज पर अदालत इस मामले में हस्तक्षेप नहीं कर सकती है। इसलिए उनकी याचिका खारिज की जाती है। बता दें कि ईडी ने समन की अवहेलना मामले में हेमंत सोरेन के खिलाफ न्यायालय में शिकायतवाद दर्ज कराया है। जिसकी सुनवाई एमपी-एमएलए कोर्ट में चल रही है। एमपी-एमएलए कोर्ट ने इस मामले में संज्ञान लिया है। जिसको हेमंत सोरेन की ओर से हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी। ईडी की ओर से

ईडी कार्यालय पर झारखंड पुलिस की कार्रवाई

निशिकांत दुबे ने हेमंत सोरेन पर लगाए गंभीर आरोप

देवघर, एजेंसी। झारखंड की राजधानी रांची स्थित प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कार्यालय में झारखंड पुलिस की छापेमारी को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और सांसद निशिकांत दुबे ने झारखंड पुलिस की कार्रवाई की कड़ी आलोचना की है।

भाजपा के फायरब्रांड नेता और गोड्डा सांसद डॉ. निशिकांत दुबे ने इस कार्रवाई की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की तर्ज पर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर राज्य की पुलिस काम कर रही है।

डॉ. दुबे ने कहा कि सूचना के अनुसार रांची पुलिस ने ईडी कार्यालय को घेर लिया है, जबकि वहां मुख्यमंत्री, पुलिस-प्रशासन और सरकार से जुड़े हजारों करोड़ रुपये के कथित भ्रष्टाचार मामलों से संबंधित महत्वपूर्ण साक्ष्य मौजूद हैं। उन्होंने आशंका जताई कि पुलिस कार्रवाई की आड़ में इन अहम साक्ष्यों के साथ छेड़छाड़ की जा सकती है और ईमानदार अधिकारियों को फंसाया जा सकता है।

गौरतलब है कि पेयजल विभाग के एक कर्मचारी के साथ कथित मारपीट के मामले में झारखंड पुलिस ने ईडी के अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। इसी क्रम में पुलिस अधिकारी ईडी कार्यालय में जांच कर रहे हैं।

एक्स पर डॉ. दुबे ने कहा कि झारखंड में पहले भी ईडी के विरुद्ध झूठे मुकदमे दर्ज कराए गए हैं और झामुमो-कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा जांच एजेंसी पर हमले की कोशिशें हो चुकी हैं। उन्होंने इसे केंद्रीय जांच एजेंसियों के स्वतंत्र और निष्पक्ष कार्य में बाधा डालने का प्रयास बताया।

डॉ. निशिकांत दुबे ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को चेतावनी देते हुए कहा कि 'झारखंड को बंगाल नहीं बनने देंगे' और भ्रष्टाचार के मामलों में सजा तय है। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री कार्यालय और गृह मंत्रालय से रांची स्थित ईडी कार्यालय पर केंद्रीय बलों की तैनाती कर सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

रांची के ओरमांझी में बस हादसे के बाद बवाल, बस की टक्कर में युवती घायल

रामगढ़, एजेंसी। रांची जिले के ओरमांझी थाना क्षेत्र में बुधवार देर रात एक सड़क हादसे के बाद हालात बेकाबू हो गए। चुट्टूपालू घाटी के पास सड़क पार कर रही एक स्थानीय नाबालिग लड़की को यात्री बस ने धक्का मार दिया। हादसे में लड़की गंभीर रूप से घायल हो गई। इसी बीच यह अफवाह फैल गई कि लड़की की मौत हो गई है। अफवाह के बाद मौके पर मौजूद लोगों का गुस्सा भड़क उठा और आक्रोशित भीड़ ने बस में आग लगा दी। कुछ ही मिनटों में बस धू-धू कर जलने लगी और पूरी तरह जलकर राख हो गई।

हादसे के बाद फैली मौत की अफवाह : प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के तुरंत बाद घायल नाबालिग को इलाज के लिए ले जाया जा रहा था। इसी दौरान किसी ने यह कह दिया कि लड़की की मौत हो चुकी है। यह बात फैलते ही आसपास के लोग जुट गए और माहौल तनावपूर्ण हो गया। गुस्से में आए कुछ लोगों ने बस में आग लगा दी। देखते ही देखते आग ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया।

बस में आग लगते ही यात्रियों में अफरातफरी मच गई। यात्री आनन-फानन में बस से उतरकर सुरक्षित स्थान की ओर भागे। वहीं बस चालक और खलासी भी

स्थिति बिगड़ते देख मौके से फरार हो गए और किसी तरह अपनी जान बचाई। राहत की बात यह रही कि बस में सवार कोई भी यात्री हताहत नहीं है।

दमकल पहुंचने से पहले ही जल चुकी थी बस : घटना की सूचना मिलते ही ओरमांझी पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों के सहयोग से आग पर काबू पाने की कोशिश की। बाद में रामगढ़ से दमकल वाहन घटनास्थल पर पहुंचा और आग को पूरी तरह बुझाया। हालांकि तब तक बस पूरी तरह जलकर राख हो चुकी थी। घटना को लेकर पुलिस ने कि घायल नाबालिग लड़की का इलाज ओरमांझी में चला। वहीं बस जमशेदपुर से हजारीबाग जा रही थी। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

झारखंड की मेजबानी में 69वीं राष्ट्रीय स्कूली शतरंज और साइकिलिंग प्रतियोगिता का आगाज

रांची, एजेंसी। झारखंड की मेजबानी में 69वीं राष्ट्रीय स्कूली शतरंज और साइकिलिंग (रोड एवं ट्रैक) प्रतियोगिता का मंगलवार को भव्य उद्घाटन किया गया। इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के अंतर्गत झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद द्वारा किया जा रहा है। प्रतियोगिता 13 जनवरी से 17 जनवरी 2026 तक आयोजित होगी, जिसमें देशभर से लगभग एक हजार स्कूली खिलाड़ी भाग ले रहे हैं।

प्रतियोगिता का उद्घाटन दोनों खेलों के लिए अलग-अलग स्थलों पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों, दीप प्रज्ज्वलन और गुब्बारे उड़ाकर किया गया। साइकिलिंग रोड एवं ट्रैक प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह का आयोजन रांची के रिंग रोड स्थित विकास नेवरी में किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड के पूर्व खेल मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर उपस्थित रहे जबकि विशिष्ट अतिथियों में ट्रैफिक डीएसपी शिवकुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक बादल राज, सेवानिवृत डिप्टी कमांडेंट एसएस गिल, झारखंड साइकिलिंग संघ के महासचिव शैलेंद्र कुमार पाठक एवं डॉ। धर्मेंद्र लांबा शामिल रहे।

वहीं शतरंज प्रतियोगिता का उद्घाटन खेलगांव स्थित हरिवंश टाना भगत इंडोर स्टेडियम में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मनीष

कुमार, संयुक्त सचिव, अखिल भारतीय शतरंज संघ मौजूद रहे। विशिष्ट अतिथियों में नवजोत अलंग (सचिव, रांची जिला शतरंज संघ) एवं दीपक कुमार (अंतर्राष्ट्रीय आर्बिटर) शामिल थे। सभी अतिथियों का स्वागत आयोजन सचिव सह राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन ए। सोरेंग द्वारा पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर किया गया।

खेल वह माध्यम है, जिसके जरिए खिलाड़ी न केवल अपना बल्कि अपने परिवार, राज्य और देश का नाम रोशन करते हैं। पढ़ाई जीवन जीने की कला सिखाती है लेकिन खेल हमें सम्मान, पहचान और आत्मविश्वास प्रदान करता है। झारखंड को खेलों के क्षेत्र में मिल रही नई पहचान का श्रेय, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की दूरदर्शी सोच और निरंतर सहयोग को जाता है: मिथिलेश कुमार ठाकुर, पूर्व मंत्री

शतरंज प्रतियोगिता के उद्घाटन के अवसर पर मुख्य अतिथि ने खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए कहा कि भारत पुरुष और महिला दोनों वर्गों में विश्व चैंपियन है, जो पूरे देश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि इन राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग ले रहे खिलाड़ी भी कड़ी मेहनत, अनुशासन और समर्पण के साथ भविष्य में विश्व स्तर पर देश का नाम रोशन कर सकते हैं।

हजारीबाग में बम विस्फोट, दंपती समेत तीन की मौत

हजारीबाग, एजेंसी। हजारीबाग शहर के हबीबी नगर इलाके में बुधवार की शाम हुए एक विस्फोट में तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में पति-पत्नी और एक महिला शामिल है। विस्फोट खुले स्थान पर हुआ। यह घटना बड़ा बाजार ओपी क्षेत्र के अंतर्गत हुई, जिससे इलाके में अफरातफरी मच गई। विस्फोट की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के लोग घरों से बाहर निकल आए। मृतकों की पहचान रशीदा परवीन (पति मुस्ताक), सद्दाम (पिता युनूस) और नन्ही परवीन (पति सद्दाम) के रूप में हुई है। सद्दाम और नन्ही परवीन पति-पत्नी थे। विस्फोट के तुरंत बाद घटनास्थल पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग जमा हो गए।

2016 में भी इस क्षेत्र में हुआ था ब्लास्ट, 6 की गई थी जान : प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि धमाका अचानक हुआ, जिससे लोग घबरा गए। कुछ लोगों ने घायलों की मदद करने का प्रयास किया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन सक्रिय हो गया। बताते चलें कि 2016 में हबीबी नगर इलाके में हुए बम ब्लास्ट में 6 लोगों की मौत हो गई थी।

हजारीबाग पुलिस की तकनीकी टीम को भी बुलाया गया : इधर, घटना की जानकारी मिलते ही चार थानों के थाना प्रभारी और दो डीएसपी मौके पर पहुंचे। सुरक्षा के मद्देनजर पूरे इलाके को पुलिस छावनी में बदल दिया गया है। जांच के लिए स्वान दस्ता (डॉग स्क्वॉड)

और हजारीबाग पुलिस की तकनीकी टीम को भी बुलाया गया है। टीमें घटनास्थल से साक्ष्य जुटा रही हैं और हर पहलू की बारीकी से जांच की जा रही है। फिलहाल विस्फोट के प्रकार और इसके कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचा जा सकेगा। अधिकारियों के अनुसार, फॉरेंसिक जांच रिपोर्ट और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर ही विस्फोट के कारणों का खुलासा किया जाएगा।

मौके पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात : घटना के बाद से इलाके में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। पुलिस द्वारा अतिरिक्त बल की तैनाती की गई है ताकि किसी भी तरह की अफवाह या अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके। स्थानीय लोग घटना से सहमे हुए हैं और जल्द से जल्द मामले के खुलासे की मांग कर रहे हैं।

गुमला में बर्फ जमाने वाली ठंड, 14 जिलों में शीतलहर का अलर्ट

रांची, एजेंसी। मकर संक्रांति के दिन से सूर्य उत्तरायण हो जाता है। इस दिन से धीरे-धीरे लंबी रातें छोटी होने लगती हैं। इसको बसंत ऋतु की शुरुआत का संकेत भी माना जाता है। इस दिन से तापमान में बढ़ोतरी होने लगती है। इसके बावजूद, झारखंड में कड़ाके की ठंड बनी हुई है। न्यूनतम पारा फिर से लुढ़क गया है। राज्य के ज्यादातर जिलों का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे रिकॉर्ड हुआ है। कई जिलों में शीतलहर की चेतावनी जारी की गई है।

झारखंड के गुमला जिला में बर्फ जमाने वाली ठंड पड़ रही है। यहां का न्यूनतम पारा 1।8 डिग्री पर पहुंच गया है। 9 जनवरी को खूंटी का पारा 1।5 डिग्री पर पहुंच गया था। तापमान के जीरो डिग्री के करीब पहुंचते ही ओस की बूंदे बर्फ में तब्दील होनी शुरू हो जाएंगी। राहत की बात है कि गुमला का अधिकतम तापमान 21।8 डिग्री है। इसकी वजह से दिन में थोड़ी राहत है। मौसम केंद्र ने गुमला में शीतलहर की चेतावनी जारी की है।

मौसम केंद्र, रांची की ओर से 14

जनवरी को जारी रिपोर्ट के मुताबिक गुमला के बाद खूंटी जिला में सबसे कम तापमान रिकॉर्ड हुआ है। यहां का पारा 3.4 डिग्री पर पहुंच गया है। लेकिन खूंटी में अच्छी धूप निकल रही है।

गुमला और खूंटी के अलावा डाल्टनगंज में 4.7 डिग्री, बोकारो में 5.5 डिग्री, हजारीबाग में 5.6 डिग्री, सरायकेला में 6.6 डिग्री, चाईबासा में 7।4 डिग्री, लातेहार में 8.1 डिग्री, रांची में 8.4 डिग्री, जमशेदपुर में 9.4 डिग्री, देवघर में 9.5 डिग्री, कोडरमा में 9.6 डिग्री, लोहरदगा में 10.2 डिग्री और पाकुड़ में 10.6 डिग्री रिकॉर्ड हुआ है।

मौसम केंद्र की रिपोर्ट के मुताबिक चाईबासा में सबसे ज्यादा 27.4 डिग्री तापमान रिकॉर्ड हुआ है। वहीं सबसे कम अधिकतम तापमान लातेहार में 16.5 डिग्री रहा है। इसकी वजह से दिनभर लातेहार में सिहरन महसूस की जा रही है। चाईबासा के बाद सबसे ज्यादा तापमान सरायकेला में 27.0 डिग्री दर्ज हुआ है। इसके अलावा पाकुड़ में 26.4 डिग्री, जमशेदपुर में 25.6 डिग्री और डाल्टनगंज में 25.0 डिग्री रहा है। वहीं रांची में 21।4 डिग्री के अलावा अन्य जिलों का अधिकतम तापमान 20 डिग्री से 26 डिग्री के बीच रहा है।

स्वास्थ्य केंद्रों में मरीजों को मिलेगी नि:शुल्क डायग्नोस्टिक जांच सेवाएं

धनबाद, एजेंसी। 15वें वित्त आयोग से वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए प्राप्त राशि से जिले के स्वास्थ्य केंद्रों में डायग्नोस्टिक इंफ्रास्ट्रक्चर सेवा शुरू की जायेगी। योजना के तहत सब हेल्थ सेंटर (एससीएच), प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) और शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (यूपीएचसी) में डायग्नोस्टिक इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास किया जायेगा। इसके माध्यम से मरीजों को ब्लड टेस्ट, यूरीन टेस्ट, शुगर, हीमोग्लोबिन, थायरॉयड, लिवर व किडनी फंक्शन जैसी बुनियादी जांच सेवाओं के अलावा अल्ट्रासोनोग्राफी व एक्स-रे की सुविधाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध करायी जायेगी। इससे मरीजों को जिला अस्पताल व निजी लैब पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

15वें वित्त आयोग के स्वास्थ्य अनुदान से धनबाद, बोकारो और गिरिडीह समेत पूरे झारखंड में डायग्नोस्टिक इंफ्रास्ट्रक्चर का सुदृढ़ीकरण होगा। इससे इलाज से पहले जांच की अवधारणा को मजबूती मिलेगी तथा आम लोगों को बेहतर, सस्ती व सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी। पिछले दिनों स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में रांची में हुई 15वें वित्त आयोग की सातवीं राज्य स्तरीय समिति (एसएलसी) की बैठक में इस योजना को स्वीकृति प्रदान की गयी है।

योजना के तहत धनबाद जिले को कुल 8,316।97 लाख रुपये का आवंटन मिला है। इसमें डायग्नोस्टिक इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए पीएचसी, एससीएच और शहरी स्वास्थ्य केंद्रों में अलग-अलग मदों की राशि शामिल है। वहीं बोकारो को 1,243।09 लाख रुपये तथा गिरिडीह को 5,864।95 लाख रुपये आवंटित किये गये हैं।

डायग्नोस्टिक सुविधाओं के विस्तार से ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार होगा। अब सामान्य जांच के लिए लोगों को लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी। खासकर गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों के लिए यह सुविधा काफी उपयोगी साबित हो सकती है। प्रारंभिक स्तर पर बीमारी की पहचान होने से गंभीर मामलों में रेफरल का दबाव भी कम होगा।नई मशीनों और लैब सुविधाओं से स्वास्थ्य कर्मियों को भी जांच रिपोर्ट समय पर उपलब्ध होंगी। इससे उपचार में तेजी आयेगी। मरीजों को भी नजदीक ही नि:शुल्क जांच की सुविधा मिलेगी।

सरकार बनाने की नहीं, झारखंड की अस्मिता व संस्कृति बचाना बड़ी चुनौती : आदित्य साहू

रांची, एजेंसी। प्रदेश भाजपा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि झारखंड के पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए अभी संघर्षों और चुनौतियों का समय है। हम सभी के लिए झारखंड में सरकार बनाने की नहीं, बल्कि आज झारखंड की अस्मिता और संस्कृति बचाने की बड़ी चुनौती है।

भले ही हम विरोधियों के झूठ-फरेब के कारण सरकार नहीं बना पाए। लेकिन जनता का भरोसा आज भी भाजपा पर है। जनता हमें उम्मीद भरी नजरों से देख रही। सभी को पता है कैसे आए दिन घोटाले उजागर हो रहे हैं। राज्य के जल, जंगल,जमीन पर डाका डाला जा रहा। लैंड जिहाद, लव जिहाद के सहारे कैसे गरीब आादिवासी दलितों की जमीन लूटी जा रही। उन्हें परंपरा व संस्कृति से काटने का लगातार बड़े पैमाने पर षडयंत्र चल रहा है। राज्य घुसपैठियों की शरण स्थली बन गया है। घुसौपैठियों को सत्ता का संरक्षण है। आदित्य साहू बुधवार को प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। आदित्य ने कहा कि वे एक अदना सा कार्यकर्ता थे। कुच्चू बूथ पर पर वोट की पर्ची काटने का काम करते

थे। लेकिन भाजपा ही है जो साधारण से साधारण कार्यकर्ता को पार्टी के शीर्ष तक पहुंचा सकती है। दूसरे किसी दल में यह संभव नहीं। वे सौभाग्यशाली हैं कि उन्हें एक सुसज्जित सेना की अगुवाई करने के योग्य पार्टी ने समझा है।

यह बड़ा ही गुरुत्तर दायित्व है। वे कण- कण पार्टी को समर्पित करने की कोशिश करेंगे। वे भले अगली पंक्ति में बैठे दिखेंगे, लेकिन उनका मन हमेशा पार्टी के अंतिम पायदान पर बूथों पर कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं से जुड़ा रहेगा। कार्यकर्ता पार्टी का आधार हैं। वे सौभागशाली हैं कि संगठन के पास अनुभवी और प्रभावशाली नेतृत्व का खजाना है। प्रदेश भाजपा के निर्वतमान अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि राज्य की वर्तमान सरकार ने झारखंड को गर्त में धकेल दिया है। विधि-व्यवस्था ध्वस्त है। अपराधी बेलगाम हैं और पुलिस वसूली में मस्त है। एक तरफ पुलिस की वसूली और दूसरी ओर भ्रष्टाचार है। हमारे सामने चुनौतियां हैं। हमें संघर्ष करना होगा।

राज्य गठन को 25 साल हो गए। पीछे मुड़कर देखते हैं तो प्रदेश की यात्रा जहां तक पहुंचनी थी, उसमें थोड़ी कसर रह गई है। आज जिस प्रकार की चुनौती है, उसका डटकर मुकाबला करना है, तो एक-एक बूथ को संगठन से मजबूत करना है। भाजपा लगातार झारखंड की समस्याओं को लेकर आंदोलन कर रही है। भाजपा का संघर्ष जारी रहेगा। आगे की अधूरी लड़ाई हम सब आदित्य साहू के नेतृत्व में लड़ेंगे व भ्रष्ट सरकार को उखाड़ फेंकेंगे। चुनाव अधिकारी एवं केंद्रीय मंत्री जुएल ओराम ने कहा कि नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के नेतृत्व में संगठन को मजबूती मिलेगी और झारखंड में भाजपा की मजबूत सरकार बनेगी।केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि झारखंड के जल-जंगल-जमीन की सुरक्षा की लड़ाई अब भाजपा कार्यकर्ता आदित्य के नेतृत्व में लड़ेंगे और ऐतिहासिक विजय प्राप्त करेंगे। पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि आदित्य साहू के नेतृत्व में प्रदेश भाजपा नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगी। एसटी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष समीर उरांव ने कहा कि नए प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति के बाद पूरे प्रदेश के कार्यकर्ताओं में उत्साह है। हम सब मिलकर इनके नेतृत्व में संगठन को मजबूत करेंगे और जोर -शोर से झारखंड की सत्ता में आएंगे।

संक्षिप्त समाचार

आदित्य साहू के नेतृत्व में संगठन और अधिक सशक्त व संघर्षशील बनेगा : काले

जमशेदपुर, एजेंसी। भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू को प्रदेश प्रवक्ता अमरप्रीत सिंह काले ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी. उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में संगठन और अधिक सशक्त, अनुशासित एवं जनसेवा के प्रति पूर्णत : समर्पित स्वरूप में कार्य करेगा. कहा कि आदित्य साहू के साथ मेरा लंबा संगठनात्मक अनुभव रहा है. उनका स्पष्ट दृष्टिकोण और कर्मठ कार्यशैली पार्टी को नई ऊर्जा प्रदान करेगा. उनके नेतृत्व में झारखंड भाजपा न केवल संगठनात्मक रूप से और मजबूत होगी, बल्कि जन सरोकारों के मुद्दों पर असरदार ढंग से आवाज उठायेगी.

घरेलू विवाद में युवक ने खाया जहर, अस्पताल में भर्ती

धनबाद., एजेंसी। घरेलू विवाद में जहर खाने के बाद बुधवार को धैया के अंकित कुमार(36) को गंभीर स्थिति में एसएनएमएमसीएच में भर्ती कराया गया है. उसे अस्पताल लेकर पहुंचे परिजनों ने बताया कि कुछ दिनों से अंकित किसी बात को लेकर डिप्रेशन में है. बुधवार की सुबह उसका विवाद परिजनों के साथ हुआ. इसके बाद वह घर से बाहर निकल गया. कुछ देर बाद वापस लौटा और अपने कमरे में चला गया. काफी देर तक बाहर नहीं निकलने पर परिजन उसके कमरे गये तो देखा की वह बेड पर बेसुध पड़ा है. इसके बाद परिजन उसे तत्काल एसएनएमएमसीएच लेकर पहुंचे और भर्ती कराया. चिकित्सकों के अनुसार अंकित की स्थिति फिलहाल गंभीर बनी हुई है.

धनबाद, बोकारो व गिरिडीह को मिले नौ नये अंचल निरीक्षक

धनबाद, एजेंसी। राजस्व, निबंधन व भूमि सुधार विभाग की ओर से विभागीय प्रोन्नति समिति की बैठक के बाद राज्य में कार्यरत राजस्व उप निरीक्षकों को अंचल निरीक्षक-सह-कानूनगो पद पर प्रोन्नति दी गयी है. इसके साथ ही सभी का स्थानांतरण भी किया गया. इसके तहत धनबाद समेत बोकारो व गिरिडीह को मिलाकर नौ नये अंचल निरीक्षकों की नियुक्ति की गयी है. इनमें धनबाद में चार अंचल झरिया में रामरत्न पांडे, निरसा में जितेंद्र कुमार सिंह, पुटकी में नवल किशोर प्रसाद व केलियासोल में जॉर्ज महतो की नियुक्ति की गयी. वहीं बोकारो में दो व गिरिडीह में तीन नये सीआइ की नियुक्ति की गयी है. बोकारो के गोमिया में कुमार चंदन व पेटरवार में अशोक कुमार दास तथा गिरिडीह के तिसरी में राजीव रंजन, डुमरी में अश्विनी कुमार मालतो व बगोदर में राजकुमार राम को पदस्थापित किया गया है.

नदियों का संरक्षण नहीं किया, तो भारी कीमत चुकानी पड़ेगी : सरयू राय

जमशेदपुर, एजेंसी। विधायक सरयू राय ने कहा है कि अब नदियों को बचाना हमारी जिम्मेदारी बन चुकी है. अगर नदियों का संरक्षण नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में हमें इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी. इस जिम्मेदारी को सुवर्णरेखा क्षेत्र विकास ट्रस्ट और युगांतर भारती ने समझा और आज नदियों का पूजन किया जा रहा है. यह बात सभी को समझनी होगी. सुवर्णरेखा क्षेत्र विकास ट्रस्ट और युगांतर भारती द्वारा बुधवार को दोमुहानी घाट पर 21वें सुवर्णरेखा महोत्सव के अवसर पर नदी पूजन के दौरान उन्होंने उपस्थित लोगों से कहा कि नदियों को अगर हमलोग गंदा न करें, तो हर मॉनसून में वो खुद को साफ कर लेती हैं. यह प्राकृतिक तरीका है. हम नदियों को पहले गंदा करते हैं, फिर उसे साफ करने पर करोड़ों रुपये खर्च करते हैं. यदि हम इन्हें गंदा ही नहीं करें, तो साफ करने की जरूरत ही क्यों पड़ेगी. सुवर्णरेखा क्षेत्र विकास ट्रस्ट और युगांतर भारती के नदी पूजन कार्यक्रम में पंडित विनोद पांडेय ने सुवर्णरेखा और खरकई के संगम पर नदी का पूजन कराया. यजमानों में विधायक सरयू राय और सिंहभूम चेंबर के अध्यक्ष मानव केडिया शामिल थे. उन्होंने सबसे पहले शांति पाठ कराया और संकल्प दिलाया. इस दौरान सुबोध श्रीवास्तव, अजय कुमार, कुलविंदर सिंह पन्नू, मंजू सिंह, प्रेम सक्सेना, विकास साहनी, विकास कुमार, विनोद सिंह, अर्जुन यादव, प्रवीण सिंह, चुन्नू भूमिज, शमशाद खान, संतोष भगत, तारक मुखर्जी, शंकर कर्मकार, राकेश कुमार, घनश्याम मिश्रा समेत अन्य सदस्य मौजूद रहे.

सेंद्रा तीन नंबर के ग्रामीणों ने किया ओबी कटिंग का विरोध

धनबाद, एजेंसी। सेंद्रा तीन नंबर के ग्रामीणों ने मंगलवार की सुबह में सोहरा भुइयां के घर के पास ओबी कटिंग का विरोध किया। आउटसोर्सिंग कंपनी द्वारा कोयला खनन के लिए ओबी हटाने के लिए मशीन लगायी गयी थी, जिसका लोगों ने पहुंच कर विरोध किया। इसके बाद ग्रामीणों ने कनकनी कोलियरी कार्यालय पहुंच कर हंगामा किया। ओबी हटाने के लिए लगायी गयी मशीन हटाने के बाद लोग शांत हुए। ग्रामीणों ने कहा कि मिट्टी कटिंग से सोहरा भुइयां के घर के पास 6 ।6 केवीए का पोल व तार कभी भी गिर सकता है। प्रबंधन द्वारा पोल को हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है। दिन के करीब 10 बजे ओबी हटाने के लिए आउटसोर्सिंग कंपनी के लोग मशीन लेकर पहुंचे थे। ग्रामीणों को इसकी जानकारी हुई, तो विरोध शुरू कर दिया। कोलियरी प्रबंधन ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि जब तक सभी को पुनर्वास नहीं दिया जायेगा, तब तक ओबी कटिंग नहीं की जायेगी।

प्रदेश में संगठन को धारदार बनाएंगे आदित्य साहू,

भाजपा ने भविष्य की रणनीति का दिया संकेत

रांची, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी ने झारखंड में संगठनात्मक नेतृत्व की कमान आदित्य साहू को सौंपकर स्पष्ट संकेत दिया है कि पार्टी अब राज्य में अपेक्षाकृत युवा, ऊर्जावान और जमीनी नेतृत्व के सहारे अपनी राजनीतिक धार को तेज करना चाहती है।

निचले स्तर से संगठन में काम करते हुए प्रदेश अध्यक्ष पद तक पहुंचे साहू का सफर भाजपा की कैडर आधारित राजनीति का उदाहरण है। उनका चयन केवल नेतृत्व परिवर्तन नहीं, बल्कि झारखंड में भाजपा की भविष्य की रणनीति का संकेत भी है। वहीं, इस चयन से ओबीसी समाज को भी साधने का प्रयास किया गया है।

झारखंड भाजपा का नेतृत्व लंबे समय तक अपेक्षाकृत वरिष्ठ और अनुभव आधारित चेहरों के हाथ में रहा है। ऐसे नेतृत्व ने संगठन को स्थिरता तो दी, लेकिन बदले हुए सामाजिक-राजनीतिक समीकरणों के अनुरूप आक्रामक विस्तार की कमी भी महसूस की गई।

इसके विपरीत आदित्य साहू का राजनीतिक विकास छात्र राजनीति, मंडल और जिला स्तर के संगठनात्मक कार्यों से होकर हुआ है। यह अनुभव उन्हें कार्यकर्ताओं की वास्तविक चुनौतियों और अपेक्षाओं को समझने में मदद करता है।

तुलनात्मक रूप से देखा जाए तो साहू का नेतृत्व माडल अधिक सहभागी और संवाद आधारित प्रतीत होता है।

आदित्य साहू बार-बार यह दोहराते रहे हैं कि भाजपा की असली ताकत उसका समर्पित कैडर है। गुजरात, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ समेत अन्य राज्यों में भाजपा की सफलता का प्रमुख कारण मजबूत बूथ संरचना और प्रशिक्षित कार्यकर्ता माने जाते हैं।

झारखंड में भाजपा संगठनात्मक रूप से मौजूद तो है, लेकिन कई क्षेत्रों में बूथ स्तर की सक्रियता कमजोर रही है। साहू की रणनीति अन्य राज्यों के सफल मॉडल से सीख लेते हुए झारखंड में कैडर को पुनः सक्रिय करने की है।

साहू के नेतृत्व की सबसे अहम विशेषता युवा नेतृत्व को आगे लाने की मंशा है। पार्टी के भीतर लंबे समय से यह चर्चा रही है कि झारखंड जैसे युवा आबादी वाले राज्य में संगठन का चेहरा अपेक्षाकृत उम्रदराज दिखता है।

तुलनात्मक रूप से देखें तो भाजपा ने हाल के वर्षों में कई राज्यों में युवा प्रदेश अध्यक्षों और युवा मोर्चा से निकले नेताओं को आगे बढ़ाया है। आदित्य साहू भी इसी प्रयोग को झारखंड में लागू करना चाहते हैं, ताकि पार्टी नए कलेवर के साथ अधिकाधिक प्रभावी बन सके।

झारखंड की राजनीति आदिवासी, पिछड़ा, अल्पसंख्यक और शहरी-ग्रामीण विभाजन के जटिल सामाजिक ताने-बाने पर आधारित है। भाजपा पर अक्सर यह आरोप लगता रहा है कि वह आदिवासी और स्थानीय मुद्दों को पर्याप्त संवेदनशीलता के साथ नहीं उठाती।

साहू के सामने चुनौती है कि संगठन को सामाजिक रूप से अधिक समावेशी बनाया जाए। अन्य राज्यों की तुलना में झारखंड में क्षेत्रीय अस्मिता का सवाल अधिक प्रभावशाली है। यदि साहू इस पहलू को संगठनात्मक रणनीति में सही ढंग से शामिल कर पाते हैं तो भाजपा की स्वीकार्यता बढ़ सकती है।

तुलनात्मक विश्लेषण करें तो जिन राज्यों में भाजपा ने संगठन को सरकार से ऊपर रखा, वहां पार्टी का आधार मजबूत हुआ। झारखंड में फिलहाल भाजपा सत्ता में नहीं है, इसलिए संगठन की भूमिका और भी अहम हो जाती है।

साहू के सामने अवसर है कि वह विपक्ष में रहते हुए जन आंदोलनों, मुद्दा आधारित राजनीति और निरंतर जनसंपर्क के जरिए संगठन को सक्रिय रखें।

चुनौतियां और संभावनाएं

आदित्य साहू की राह आसान नहीं है। गुटबाजी, संसाधनों की कमी और सत्तारूढ़ गठबंधन की मजबूत पकड़ जैसी चुनौतियां उनके सामने हैं। लेकिन युवा टीम, स्पष्ट संगठनात्मक दृष्टि और कैडर आधारित कामकाज के जरिए वे इन चुनौतियों को अवसर में बदल सकते हैं।

यदि वे अन्य राज्यों के सफल संगठनात्मक प्रयोगों को झारखंड की स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप ढालने में सफल होते हैं तो भाजपा फिर से राज्य में एक मजबूत और भरोसेमंद राजनीतिक विकल्प के रूप में उभर सकती है।

डीआरडीओ देगा आदित्यपुर के एमएसएमइ उद्योगों को नयी उड़ान

जमशेदपुर, एजेंसी। आदित्यपुर की स्थानीय एमएसएमइ उद्योगों को रक्षा मंत्रालय के सहयोग से नयी उड़ान देने की तैयारी की गयी है. आदित्यपुर के उद्यमी रक्षा क्षेत्र की जरूरतों को करीब से देख सकेंगे और अपनी इंजीनियरिंग की तैयारियों को उसमें जोड़कर न केवल देश के लिए बल्कि क्षेत्र के आर्थिक विकास में अहम भूमिका निभायेंगे. इसी उद्देश्य से आदित्यपुर ऑटो क्लस्टर में 16-17 जनवरी को आत्मनिर्भर भारत अभियान को सशक्त बनाने एवं स्थानीय एमएसएमइ उद्योगों को रक्षा क्षेत्र से जोड़ने के लिए एमएसएमइ डिफेंस कॉन्क्लेव-2026 का आयोजन किया जा रहा है.

डीआरडीओ की प्रदर्शनी में स्थानीय उद्योगों को रक्षा क्षेत्र से जोड़ना और उन्हें नये व्यावसायिक अवसर खोजने का भरपूर मौका मिलेगा. आदित्यपुर स्मॉल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (एसिया), सिंहभूम चेंबर ऑफ कॉमर्स व नोडल एजेंसी के रूप में भारत चेंबर ऑफ कॉमर्स के सहयोग से स्थानीय एमएसएमई इकाइयों को रक्षा क्षेत्र में अपने उत्पादों और सेवाओं को प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा. एमएसएमइ डिफेंस कॉन्क्लेव-2026 में इंजीनियरिंग से जुड़े 52 से अधिक स्थानीय उद्योग और 10 से अधिक रक्षा क्षेत्र के संस्थानों ने अपने निर्माण के संबंध में अपने उत्पादों की प्रदर्शनी लगाने का फैसला किया है.

तिलकुट बेचने निकले थे रांची, गुमला में भीषण सड़क हादसा; 4 लोगों की मौत

गुमला, एजेंसी। नेशनल हाईवे गुमला-रांची मुख्य मार्ग पर भरनो थाना क्षेत्र अंतर्गत भड़गांव के समीप गुरुवार की अहले सुबह एक भीषण सड़क दुर्घटना में चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसा उस समय हुआ जब एक पिकअप वाहन में सवार लोग तिलकुट बेचने के लिए रांची से निकले थे। इसी दौरान अज्ञात तेज रफ्तार हाईवा वाहन ने पिकअप को जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पिकअप वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। मौके पर ही चार लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल अवस्था में सड़क पर पड़े मिले।

स्थानीय लोगों की सूचना पर भरनो थाना की पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और घायलों को एंबुलेंस की मदद से नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है।

घायलों को बेहतर इलाज के लिए रांची रेफर किए जाने की तैयारी की जा रही है। पुलिस के अनुसार मृतक और घायल सभी लोग रांची जिले के निवासी बताए जा रहे हैं। दुर्घटना के बाद हाईवा वाहन चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटाकर यातायात बहाल कराया और अज्ञात हाईवा की तलाश शुरू कर दी है।

आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान के आधार पर जांच की जा रही है। इस दर्दनाक हादसे से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। वहीं, स्थानीय लोगों ने एनएच-23 पर तेज रफ्तार भारी वाहनों की आवाजाही और सड़क सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं।

पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। शवों की पहचान नहीं हो पाई है। मृतकों के स्वजनों के आने के उपरांत ही पहचान हो पाएगी।

5 करोड़ की फिरौती के लिए हुआ अपहरण, जमशेदपुर के बिजनेसमैन को इंटरनेट कॉलिंग कर मांगे पैसे

रांची, एजेंसी। जमशेदपुर के बिजनेसमैन और आदित्यपुर स्मॉल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के उपाध्यक्ष देवांग गांधी के 24 साल के बेटे कैरव गांधी का अपहरण फिरौती के लिए की गई। उनसे अपहरणकर्ताओं ने इंटरनेट कॉलिंग कर 5 करोड़ रुपए फिरौती के रूप में मांगे। बिजनेस मैन देवांग गांधी को इंडोनेशिया के नंबर (+62-831-94765544) से कॉल आया था। बुधवार को जब कैरव गांधी के गायब होने की बात सामने आई तब परिजनों द्वारा अपहरण की आशंका जताए जाने के बाद भी पुलिस ने लापता का मामला माना था।

जब जांच के दौरान खुलासा हुआ तब बिष्टुपुर पुलिस ने सीएच एरिया इनर सर्किल रोड नार्थ निवासी अपहृत के पिता देवांग गांधी के बयान पर इंडोनेशिया के नंबर (+62-831-94765544) के संचालक के खिलाफ अपहरण की प्राथमिकी दर्ज कर ली।

पुलिस की 7 टीमें 3 राज्यों में कर रही तलाश : कैरव गांधी की सकुशल बरामदगी के लिए पुलिस की सात टीमें झारखंड के अलग-अलग स्थानों के अलावा बिहार, बंगाल और ओडिशा में बदमाशों की तलाश में जुटी है। कार की फॉरेंसिक जांच कर फिंगर प्रिंट के जरिए अपराध में शामिल बदमाशों की पहचान की कोशिश की जा रही है। वहीं, कॉल डिटेल और उस क्षेत्र में उस समय सक्रिय मोबाइल फोन की कॉल डंपिंग के जरिए जानकारी

इकट्ठा की जा रही है। पुलिस अखिलेश गिरोह के पूर्व शागिर्द पर भी शक कर रही है जो अभी बिहार में रह रहा है। पुलिस टीम संभावित स्थानों पर छापेमारी कर रही है। एक टीम सीसीटीवी कैमरों को खंगाल रही है, दूसरी टीम परिवार वालों के संपर्क में है। जबकि, एक टीम सर्विलांस और मोबाइल की गतिविधियों पर नजर रखे हुए है।

जमशेदपुर के अलावे सरायकेला पुलिस की टीम भी जांच में लगी है। कांदरबेड़ा के बाद से टोल प्लाजा का फुटेज पुलिस ने खंगाला। रांची की ओर पाटा टोल प्लाजा और कोलकाता की ओर जाने वाले गालूडीह के टोल प्लाजा की फुटेज की पुलिस जांच कर रही है।

पिता को आया था अज्ञात वॉट्सऐप कॉल, फिर मैसेज : बीते मंगलवार को आदित्यपुर ऑटो क्लस्टर में 16 जनवरी को होने वाले कार्यक्रम को लेकर बैठक चल रही थी। इस बैठक में एसिया के उपाध्यक्ष देवांग गांधी भी शामिल थे। मीटिंग दो घंटे तक चली। इस दौरान लगभग 8 से 10 बार वाट्सएप कॉल आया, लेकिन उन्होंने रिसीव नहीं किया। कुछ कॉल को कट कर दिया। बैठक के बाद दिन के दो बजे के लगभग वे घर पहुंचे। घर पर बेटे कैरव गांधी के बारे में जानकारी लेने के लिए फोन किया तो उसका फोन बंद मिला।

हाईवा ने पिकअप वैन को उड़ाया, 4 की मौके पर मौत, गुमला में एनएच-23 पर हादसा, 2 घायल

गुमला, एजेंसी। गुमला जिले में सुबह एनएच-23 पर एक भीषण सड़क हादसे ने पूरे इलाके को दहला दिया। भरनो थाना क्षेत्र के भड़गांव के पास अज्ञात हाईवा वाहन ने टाटा मैजिक पिकअप को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पिकअप वाहन पूरी तरह चकनाचूर हो गया।

हादसे में वाहन में सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद कुछ देर के लिए सड़क पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आसपास के लोग जब तक कुछ समझ पाते, तब तक चार लोगों की सांसें थम चुकी थीं। हादसे की भयावहता को देखकर स्थानीय लोग भी सहम गए।

रांची से गुमला तिलकुट बेचने जा रहे थे सभी : जानकारी के अनुसार, टाटा मैजिक पिकअप में सवार सभी लोग रांची से गुमला की ओर तिलकुट बेचने जा रहे थे। गुरुवार की सुबह वे अपने माल के साथ निकले थे, लेकिन भड़गांव के पास हाईवा ने टक्कर मार दी। बताया जा रहा है कि सभी मृतक और घायल रांची के रहने वाले हैं।

समाचार लिखे जाने तक उनकी पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस को आशंका है कि तेज रफ्तार हाईवा ने पीछे से टक्कर मारी और घटना के बाद चालक वाहन लेकर फरार हो गया। हादसे के बाद सड़क पर बिखरा सामान और क्षतिग्रस्त वाहन इस दुर्घटना की गंभीरता को बयां कर रहे थे।

घायलों को रिम्स रेफर किया, पहचान में जुटी पुलिस : घटना की सूचना मिलते ही भरनो थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से राहत कार्य शुरू कराया। गंभीर रूप से घायल दोनों व्यक्तियों को पहले सिसई रेफर अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए रिम्स रांची रेफर कर दिया गया।

पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर सदर अस्पताल गुमला पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही अज्ञात हाईवा वाहन और उसके चालक की तलाश शुरू कर दी गई है। पुलिस मृतकों की पहचान सुनिश्चित करने के लिए आसपास के थानों और रांची पुलिस से भी संपर्क कर रही है।

20 करोड़ रुपए से अधिक के घोटाले के आरोपी कैशियर ने ईडी के दो अफसरों पर केस किया

रांची, एजेंसी। चुटिया निवासी संतोष कुमार ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के दो अधिकारियों पर मारपीट, जानलेवा हमला, गाली-गलौज और धमकी देने का आरोप लगाते हुए एयरपोर्ट थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। इस मामले में ईडी के सहायक निदेशक प्रतीक और सहायक शुभम को नामजद आरोपी बनाया गया है। संतोष पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के स्वर्णरेखा शीर्ष कार्य प्रमंडल रांची में शहरी जलापूर्ति योजना की राशि में से 20 करोड़ रुपए से अधिक का घोटाला करने के आरोपी हैं। पीएचईडी प्रमंडल रांची में कार्यरत कैशियर संतोष कुमार को पूर्व में रांची पुलिस ने गिरफ्तार किया था। वर्तमान में वह जमानत पर जेल से बाहर हैं। घोटाले के इस मामले की जांच ईडी कर रहा है।

इधर, संतोष की ओर से दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, संतोष को 12 जनवरी को सुबह 10 बजे ईडी कार्यालय में उपस्थित होने का निर्देश मोबाइल फोन पर दिया गया था। वह सुबह 9.45 बजे ईडी कार्यालय पहुंचे। आरोप है कि अपराह्न करीब 1.35 बजे सहायक निदेशक प्रतीक ने उन्हें अपने कक्ष में बुलाया, जहां पहले से शुभम मौजूद

थे। पूछताछ के दौरान उनसे आरोप स्वीकार करने का दबाव बनाया गया। मना करने पर दोनों अधिकारियों द्वारा कथित तौर पर उनके साथ मारपीट की गई और गालियां दी गईं। आरोप नहीं स्वीकारने पर धमकी भी दी।

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कैशियर संतोष कुमार के विरुद्ध 18 दिसंबर 2023 में रांची के सदर थाने में प्राथमिकी दर्ज हुई थी। उन पर आरोप था कि उन्होने मार्च 2020 में एलएंडटी कंपनी के फर्जी बिल के आधार पर 2.17 करोड़ रुपये को फर्जी खाते में हस्तांतरित कर लिया था। इसी केस के आधार पर ईडी ने ईसीआईआर दर्ज किया और अनुसंधान कर रही है। पीड़ित ने यह भी आरोप लगाया है कि उनसे 16 जनवरी को दोबारा ईडी कार्यालय में उपस्थित होने से संबंधित आवेदन जबरन लिखवाया गया और रात 10.45 बजे तक उन्हें कार्यालय में रोके रखा गया, ताकि वे घटना की सूचना अपने परिवार, अधिवक्ता, थाना या मीडिया को न दे सकें।

छोड़ते समय भी उन्हें और उनके परिवार को जेल भेजने की धमकी दी गई। इधर, एयरपोर्ट थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि दोनों ने डंडे से संतोष पर हमला किया और जान से मारने की नीयत से लगातार मारते हुए कहा कि अगर मर भी जाओगे तो हमें कोई फर्क नहीं पड़ेगा। मारपीट के कारण उनका सिर फट गया और अत्यधिक रक्तस्राव हुआ। संतोष कुमार का आरोप है कि अपराह्न करीब 2 बजे उन्हें सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड ले जाया गया, जहां सिर में छह टांके लगे।

अस्पताल में भी उन्हें धमकाया गया कि डॉक्टर को चोट लगने की सच्चाई न बताएं, अन्यथा उन्हें और उनके परिवार को जेल भेज दिया जाएगा।

पलामू में पूर्व पंसस और चाय दुकानदार को गोली मारी

पलामू, एजेंसी। पलामू में गुरुवार को गोलीबारी की घटना हुई, जिसमें एक पूर्व पंचायत समिति सदस्य (पंसस) और एक चाय दुकानदार घायल हो गए। घटना शहर थाना क्षेत्र के कांदू मोहल्ला चौक के पास हुई। पुलिस ने आरोपी की पहचान कर ली है और उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

मुहल्ले का ही आरोपी युवक

जानकारी के अनुसार, अजीत कुमार गुप्ता (50) की चाय दुकान के बाहर पूर्व पंसस नवीन प्रसाद (45) कुछ लोगों के साथ चाय पी रहे थे। इसी दौरान मुहल्ले का ही युवक रविकांत उर्फ गोलू पासवान पीछे से आया और नवीन प्रसाद पर फायरिंग कर दी।

स्थानीय लोगों ने पहुंचाया अस्पताल

नवीन प्रसाद की पीठ में एक गोली लगी, जबकि दूसरी गोली चाय दुकानदार अजीत कुमार गुप्ता के पैर को छूकर निकल गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया। मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल में जांच के बाद नवीन प्रसाद को बेहतर इलाज के लिए शहर के श्रीनारायण सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। पूर्व पंसस नवीन प्रसाद की पत्नी सुषमा आहूजा मेदिनीनगर नगर निगम की पूर्व वार्ड कमिश्नर रह चुकी हैं।

मौके से गोली का खोखा बरामद

घटना की सूचना मिलते ही प्रशिक्षु डीएसपी राजीव कुमार, थाना प्रभारी ज्योतिलाल रजवार और टीओपी टू प्रभारी राकेश कुमार अस्पताल पहुंचे और जानकारी ली। पुलिसकर्मियों ने घटनास्थल का भी मुआयना किया और मौके से गोली का खोखा बरामद किया। पुलिस फायरिंग के कारणों की पड़ताल कर रही है और कई इलाकों में आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। इधर, इस वारदात से शहर में सनसनी फैल गई है।

गुब्बारे बेचने वाले बिहार के दंपती ने किया था अंश-अंशिका का अपहरण

रांची, एजेंसी। धुर्वा के मौसीबाड़ी से अपहृत अंश कुमार (5) और उसकी बहन अंशिका कुमारी (4) को बुधवार सुबह रांची पुलिस ने रामगढ़ के अहमद नगर स्थित एक घर से बरामद कर लिया। पुलिस ने दोनों के अपहरण के आरोपी नव खेरवार उर्फ सूर्या (24) और उसकी पत्नी सोनी कुमारी (20) को गिरफ्तार कर लिया है। नव खेरवार बिहार के औरंगाबाद के बारून का निवासी है, जबकि सोनी कुमारी रामगढ़ के कोठार की रहने वाली है। ये दोनों धुर्वा के शालीमार बाजार में गुब्बारे बेचते थे।

अंश और अंशिका 2 जनवरी को पिता से 10 रुपए लेकर घर के पास ही एक दुकान से चूड़ा खरीदने निकले थे। पांच रुपए में लॉलीपॉप खरीदकर दोपहर करीब 2:35 बजे लौट रहे थे। तभी नव खेरवार और सोनी ने दोनों को उठा लिया। दो दिन तक दोनों बच्चों को उसके घर से करीब एक किमी दायरे में ही छिपाकर रखा। फिर चुपचाप वहां से निकल गए। इधर पुलिस बच्चों की तलाश में खाक छानती रही। बुधवार सुबह सीआईडी के एडीजी मनोज कौशिक और रांची एसएसपी राकेश रंजन को बच्चों के चितरपुर के अहमद नगर में होने की सूचना मिली। इसके

बाद रामगढ़ एसपी अजय कुमार ने वहां छापेमारी कर दोनों बच्चों को बरामद कर लिया और दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। दोनों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस को पता चला है कि ये दोनों अंतरराज्यीय गिरोह से जुड़े हैं।

सीएम हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया पर लिखा-अपहरणकर्ताओं के चंगुल से आजाद हुई दो मासूम जिंदगियां। आखिर कोई इतना कैसे गिर सकता है। व्यक्तिगत रूप से मेरे लिए पिछले कुछ दिन परेशान करने वाले रहे। शुरुआत में सफलता नहीं मिल रही थी, फिर जिस ढंग से दूसरे राज्य में हुई इसी ढंग की घटना के तार जोड़कर रांची पुलिस ने अपराधियों तक पहुंचकर बच्चों को मुक्त कराया, वह प्रशंसनीय है। मैं इस अभियान को यहीं पर नहीं छोड़ रहा। ऐसी घटनाओं की गहन पड़ताल करते हुए आपराधिक गिरोह की कमर तोड़ने की कार्रवाई करेंगे।

पास, 3 दिन हटिया रेलवे स्टेशन के पास बच्चों को रखा : अपहर्ताओं ने अपहरण के बाद दोनों बच्चों को दो दिन तक उसके घर से महज एक किमी दूर शालीमार बाजार के पास छुपाकर रखा। फिर ऑटो से दोनों बच्चों को लेकर हटिया स्टेशन पहुंचा। तीन दिन तक स्टेशन के पास ही बच्चों के साथ रहा। सात जनवरी को दोनों आरोपी बच्चों को लेकर ट्रेन से रामगढ़ पहुंचे। वहां से चितरपुर के अहमद नगर गए। वहां रोशन आरा के घर किराए पर कमरा लिया, जहां दोनों बच्चों के साथ रह रहे थे। बच्चे भी उनके साथ आराम से रह रहे थे, इसलिए किसी को शक नहीं हुआ। लेकिन मुखबिरों को सूचना मिल गई और वे पकड़े गए।

डीजीपी बोलीं- 500 सीसीटीवी फुटेज खंगाले, 5000 वाहनों का हुआ सत्यापन : डीजीपी तदाशा मिश्रा ने कहा कि बच्चों को ढूंढ़ने के लिए रांची के ग्रामीण एसपी के नेतृत्व में विशेष टीम बनाई गई थी। इसमें सिटी एसपी व ट्रैफिक एसपी सहित 48 अधिकारी थे। इस टीम ने 500 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाले। 5000 से ज्यादा गाड़ियों का सत्यापन किया। बच्चों की सूचना देने वालों को चार लाख रुपए इनाम देने की भी घोषणा की गई। इस संबंध में रोजाना 1000 से ज्यादा फोन कॉल पुलिस को आए। कई राज्यों में ऐसे मामलों से संबंधित अभियुक्तों की छानबीन की गई। झारखंड में महत्वपूर्ण स्थलों, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, ऑटो स्टैंड और हाट-बाजार की छानबीन की गई।

संक्षिप्त समाचार

पटना में 42 निजी स्कूलों ने मान्यता के लिए किया आवेदन

पटना, एजेंसी। पटना जिले में निजी स्कूलों की प्रस्वीकृति (मान्यता) के लिए शिक्षा विभाग के ई-संबद्धन पोर्टल पर आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। अब तक जिले के 42 निजी स्कूलों ने कक्षा 1 से 8 तक की मान्यता के लिए आवेदन किया है। इन स्कूलों की जांच के लिए जिला पदाधिकारी के निर्देश पर पांच सदस्यीय जांच कमेटी का गठन किया गया है। कमेटी में जिला पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (समग्र शिक्षा), सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी और संबंधित प्रखंड के प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी शामिल हैं। जिला शिक्षा कार्यालय के अनुसार, अगले सप्ताह प्रस्वीकृति कमेटी की बैठक होगी। इससे पहले सभी आवेदक स्कूलों का स्थल निरीक्षण किया जाएगा। निरीक्षण रिपोर्ट के आधार पर मान्यता दी जाएगी। नियमों के अनुसार कक्षा 1 से 5 तक 60 बच्चों पर 2 शिक्षक अनिवार्य, 61 से 90 बच्चों पर 3 शिक्षक, 91 से 120 बच्चों पर 4 शिक्षक, 121 से 200 बच्चों पर 5 शिक्षक, 150 बच्चों पर 5 शिक्षक और 1 प्रधानाध्यापक और 200 से अधिक बच्चों पर छात्र-शिक्षक अनुपात 40 से अधिक नहीं होगा। कक्षा 6 से 8 के लिए शिक्षक व्यवस्था : हर कक्षा में कम से कम 1 शिक्षक, विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान और भाषा विषय के शिक्षक जरूरी, हर 35 छात्रों पर 1 शिक्षक, 100 से अधिक छात्रों पर पूर्णकालिक प्रधानाध्यापक और कला, स्वास्थ्य व शारीरिक शिक्षा शिक्षक भी होना अनिवार्य हैं।

2000 जरूरतमंदों के बीच मकर संक्रांति पर्व मनाया

औरंगाबाद, एजेंसी। औरंगाबाद के देव प्रखंड के बाबू खडीहा गांव में आज गांव से दूर रह कर भी गांव के प्रति प्रेम की झलक दिखी। यहां 2000 दलित, महादलित, कमजोर और पिछड़े वर्ग के लोगों के साथ मकर संक्रांति का महापर्व मनाया गया। इस दौरान सभी को चूड़ा, दही, तिलकुट खिलाया गया। साथ ही उन्हें कम्बल देकर विदा किया गया। यह आयोजन पिछले 21 साल से हो रहा है। कार्यक्रम का उद्घाटन जिला परिषद की उपाध्यक्ष किरण सिंह, वरीय राजद नेता इंजीनियर सुबोध कुमार सिंह, देव व्यापार मंडल के अध्यक्ष अरविंद सिंह, उदय प्रताप सिंह, संजीव कुमार सिंह उर्फ राजू आदि ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। अपने संबोधन में उपाध्यक्ष ने इस कार्यक्रम की न सिर्फ सराहना की बल्कि इस आयोजन से जुड़े लोगों के प्रति आभार भी व्यक्त किया। जो तन मन धन से निस्वार्थ भाव से इस परमार्थ का काम कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस ठंड में कांपते बदन को कम्बल का सहारा देकर उन्हें कृतार्थ किया है, उससे बड़ा पुण्य नहीं हो सकता। वरीय राजद नेता सुबोध सिंह ने कहा कि इस आयोजन के सूत्रधार गांव के ही देव कुमार सिंह हैं। जो अभी रामगढ़ रांची के वासी हो गए है। लेकिन गांव से दूर रह कर भी उनकी आत्मा अपने पूरे पंचायत के लोगों के साथ जुड़ी है और पिछले 21 साल से उनके दिशा निर्देश पर यह आयोजन निर्बाध गति से चल रहा है। उन्होंने कहा कि आज अस्वस्थता के कारण वे यहां उपस्थित नहीं हो सके है, लेकिन उनके प्रतिनिधि बनकर उदय प्रताप सिंह यहां मौजूद है। राजद नेता ने कहा कि यहां की मिट्टी का प्यार ही सभी को अपने परिवार और समाज से जोड़ रखा है और यह प्यार आगे भी बरकरार रहेगा।

थाने से 200 मीटर दूर हत्या, 50 रुपये के विवाद में गई पीएचडी कर्मी की जान

दरभंगा, एजेंसी। दरभंगा में पीएचडी विभाग के कर्मचारी पवन प्रसाद की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। यह हत्या महज 50 रुपये के किराए के विवाद में दो नाबालिग लड़कों ने की थी। पुलिस ने इस मामले में एक नाबालिग आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दूसरे की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस के अनुसार, घटना 9 जनवरी की सुबह करीब चार बजे की है। दोनों नाबालिग दरभंगा रेलवे स्टेशन से ई-रिक्शा पर सवार होकर लहेरियासराय के कमर्शियल चौक पहुंचे थे। वहां उतरने के बाद चालक पवन प्रसाद ने 150 रुपये किराया मांगा, जबकि दोनों लड़के 100 रुपये ही देने पर अड़े थे। इसी बात को लेकर विवाद बढ़ गया। किराए को लेकर बहस इतनी बढ़ गई कि एक नाबालिग ने जेब से चाकू निकालकर पवन प्रसाद के गले पर वार कर दिया। गंभीर चोट लगने से पवन सड़क पर गिर पड़े और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। हत्या के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना लहेरियासराय थाना से महज 200 मीटर की दूरी पर हुई थी, जिससे पुलिस के सामने बड़ी चुनौती खड़ी हो गई थी। एसएसपी जगुनाथ रेड्डी के निर्देश पर पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की। फुटेज में दो लड़के घटना के बाद बालोदिया ट्रेडर्स के पास वाली गली से भागते नजर आए। इसके बाद तकनीकी जांच के आधार पर सात दिन बाद एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। मृतक की पहचान बहेड़ी थाना क्षेत्र के रहने वाले पवन प्रसाद के रूप में हुई थी। वह दरभंगा के लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग में चतुर्थ वर्गीय कर्मचारी थे और अतिरिक्त आमदनी के लिए पार्ट टाइम ई-रिक्शा चलाते थे। पुलिस के अनुसार, पवन का पहले भी विवादों से नाता रहा था और वह गोलीबारी के एक मामले में जेल जा चुका था।

नीतीश कुमार करेंगे 717 करोड़ की विकास योजनाओं की समीक्षा

विभाग ने तैयार की प्रेजेंटेशन

बेतिया, एजेंसी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार समृद्धि यात्रा के तहत 16 जनवरी को बेतिया आने वाले हैं। उन्होंने 'प्रगति यात्रा' के दौरान 717.12 करोड़ की विकास योजनाओं का शिलान्यास किया था। उन सभी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करेंगे। मुख्यमंत्री योजनाओं की जमीनी हकीकत की जानकारी लेंगे। इसके लिए विभाग की ओर से पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन तैयार किया गया है।

बता दें कि 23 दिसम्बर 2024 को प्रगति यात्रा के दौरान सीएम ने मझौलिया प्रखंड के धोकराहां पंचायत के शिकारपुर गांव से 545.24 करोड़ की 300 योजनाओं का शिलान्यास किया था, जबकि बगहा-दो प्रखण्ड के घोटवा टोला से 171.88 करोड़ की 39 योजनाओं का शिलान्यास हुआ था। इनमें से कुछेक योजनाएं अभी धरातल पर आरंभ भी नहीं हुई है।

प्रगति यात्रा की घोषणा और शिलान्यास की योजनाएं : जल संसाधन विभाग द्वारा 11931.00 लाख रुपये की

लागत से जिला अंतर्गत मसान नदी के दाएं तटबंध और संबद्ध कार्य का शिलान्यास। जल संसाधन विभाग द्वारा 10962.90 लाख रुपये की लागत से चनपटिया प्रखंड (टिकुलिया पंचायत) से मझौलिया प्रखंड (बहुअरवा पंचायत) तक सिकरहना दायां तटबंध निर्माण कार्य का शिलान्यास।

अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा 5047.47 लाख रुपये की लागत से चनपटिया प्रखंड अंतर्गत तुरहापट्टी पंचायत में बिहार राज्य अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय के निर्माण कार्य का शिलान्यास। ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा 914.96 लाख रुपये की लागत से पीपी तटबंध से चारमरहा पथ के साथ हाई लेवल ब्रिज स्पैन चैनल के निर्माण कार्य का शिलान्यास। बेतिया स्टेडियम में आधुनिक सुविधाओं के साथ-साथ इसके पुनर्निर्माण कर उच्च कोटि के स्टेडियम का निर्माण करने की घोषणा।

बरबत सेना से आई.टी.आई., सर्किट हाउस, स्टेडियम, प्रेक्षा गृह होते हुए राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल, बेतिया तक सड़क का चौड़ीकरण की घोषणा। बगहा एवं गोरखपुर की बीच की दूरी कम करने के लिए मदनपुर से पनियहवा (यूपी) तक सड़क (एनएच-727ए) निर्माण की घोषणा। अंतरराष्ट्रीय दोन नहर पर इनरवा से वाल्मीकिनगर तक सड़क का निर्माण कराने की घोषणा।

नीतीश सरकार लॉन्च करेगी नया पोर्टल, जॉब की टेंशन हो जाएगी खत्म, घर बैठे कर सकेंगे आवेदन

विभाग रोजगार से जुड़े नियम बनाएगा, योजनाओं को लागू करेगा और युवाओं की मदद के लिए नई सुविधाएं शुरू करेगा

पटना, एजेंसी। बिहार सरकार ने अगले पांच वर्षों में राज्य के एक करोड़ युवाओं को रोजगार और नौकरी देने का लक्ष्य रखा है। इस काम को तय सीमा में पूरा करने के उद्देश्य से युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग का गठन भी किया है। आने वाले दिनों में इस नवगठित विभाग की जवाबदेही और बढ़ेगी।

इस विभाग को अब ई-पोर्टल का संचालन, विभिन्न जिलों में रोजगार मेला आयोजित करना और नौकरी से जुड़ी युवाओं की समस्याओं के समाधान का निराकरण भी करना होगा। हाल ही में सरकार ने इस नए विभाग को ठीक से चलाने के लिए 147 नए पद स्वीकृत किए हैं। इन पदों के जरिए विभाग के सभी काम तेजी से पूरे किए जाएंगे। विभाग रोजगार से जुड़े नियम बनाएगा, योजनाओं को लागू करेगा और युवाओं की मदद के लिए नई सुविधाएं शुरू करेगा। मंत्रिमंडल ने प्रस्ताव को स्वीकृत भी कर दिया है।

जानकारी के अनुसार, नवगठित विभाग का सबसे अहम कार्य एक ई-पोर्टल का प्रबंधन होगा। इस पोर्टल पर युवा अपनी पढ़ाई और योग्यता के अनुसार नौकरी की जानकारी देख सकेंगे और ऑनलाइन आवेदन भी कर सकेंगे। इस सुविधा के प्रारंभ होने से युवाओं को विभागों के चक्कर नहीं लगाने होंगे।

विभाग राज्य के अलग-अलग जिलों में रोजगार मेलों आयोजित करेगा। मेलों में निजी और सरकारी कंपनियां सीधे युवाओं से मिलेंगी और मौके पर ही नौकरी के अवसर उपलब्ध कराएंगी। नया विभाग निजी कंपनियों, उद्योगों और एमएसएमई इकाइयों से भी लगातार संपर्क में रहेगा, ताकि ज्यादा से ज्यादा रोजगार के अवसर पैदा किए जा सके। सरकार का मानना है कि इस पहल से बिहार के युवाओं को नौकरी मिलने में आसानी होगी और वे आत्मनिर्भर बन सकेंगे।

पूर्णिया गैंगरेप कांडः हैवानियत के बीच राजनीतिक घमासान,

मुख्य आरोपी की सांसद के साथ तस्वीर वायरल

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया जिले से सामने आई सामूहिक दुष्कर्म की वीभत्स घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी मो. जुनैद सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। लेकिन जुनैद की गिरफ्तारी के बाद जो खुलासे हो रहे हैं, उन्होंने इस मामले को राजनीतिक रंग दे दिया है।

घटना चार दिन पहले हुई थी, जब आधा दर्जन बदमाशों ने एक युवती को सरेराह अगवा किया। अपराधियों ने उसे जबरन एक मोटर गैराज में ले जाकर पूरी रात सामूहिक दुष्कर्म किया। पीड़िता को जबरन शराब पिलाई गई और उसे मानसिक और शारीरिक तौर पर प्रताड़ित किया गया। इस घटना ने एक बार फिर बिहार में महिलाओं की सुरक्षा और अपराधियों के बेखौफ हौसलों पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है।

मुख्य आरोपी मो. जुनैद इलाके का रसूखदार शख्सियत बताया जा रहा है। उसकी पत्नी वर्तमान में उप मुखिया हैं और जुनेद का सक्रिय राजनीति में गहरा हस्तक्षेप रहा है। गिरफ्तारी के बाद सोशल मीडिया पर एक तस्वीर तेजी से वायरल हुई, जिसमें जुनैद पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव के साथ नजर आ रहा है। दोनों एक ही माला पहने हुए दिखाई दे रहे हैं, जिससे उनके करीबी रिश्ते का संकेत मिलता है। हालांकि, इस तस्वीर की सटीकता और समय की पुष्टि अभी नहीं हुई है।

विडंबना यह है कि घटना के तुरंत बाद रविवार को सांसद पप्पू यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन पर कड़ा प्रहार किया था। उन्होंने कहा था कि बिहार में कानून का शासन खत्म हो गया है और बहन-बेटियां घर से निकलने में डर रही हैं। अब मुख्य आरोपी की उनके साथ तस्वीर सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर उन्हें घेरा जा रहा है।

पुलिस अन्य फरार आरोपियों की तलाश में छापेमारी कर रही है। स्थानीय लोग और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने मांग की है कि राजनीतिक रसूख को किनारे रखकर मामले की निष्पक्ष जांच की जाए और दोषियों को फास्ट ट्रैक कोर्ट के माध्यम से कड़ी सजा दी जाए। यह मामला अब केवल एक अपराध नहीं रह गया है, बल्कि रसूखदार अपराधियों और राजनीति के गठजोड़ की ओर भी इशारा करता है, जिसकी निष्पक्ष जांच बेहद जरूरी है।

मर्डर से पहले सरेंडर, अमन शुक्ला हत्याकांड में मास्टरमाइंड और दो शूटर गिरफ्तार

पटना, एजेंसी। राजधानी पटना में सनसनी फैलाने वाले अमन शुक्ला हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस और डीआईयू की टेक्निकल टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए इस हत्याकांड की गुत्थी सुलझा ली है। पुलिस ने मामले में तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है, जिनके पास से अवैध हथियार, जिंदा कारतूस, मैगजीन, मोबाइल फोन, नकदी और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की गई है।

साजिशकर्ता समेत तीन आरोपी गिरफ्तारः पटना के वरीय पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय के शर्मा ने प्रेस वार्ता में बताया कि पुलिस जांच में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि अमन शुक्ला की हत्या 5 लाख रुपये की सुपारी देकर कराई गई थी। उन्होंने बताया कि अमन शुक्ला जेल से छूटने के बाद दोबारा अपने गिरोह को संगठित कर रहा था और पटना में किसी बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने की तैयारी में था। इसी बीच उसके करीबी और दोस्तों ने ही आपसी रंजिश और आपराधिक साजिश के तहत उसकी हत्या की सुपारी दे दी।

अमन शुक्ला हत्याकांड का खुलासाः पटना एसएसपी कार्तिकेय के। शर्मा ने बताया कि अनुसंधान और पूछताछ के दौरान यह तथ्य प्रकाश में आया कि मृतक अमन शुक्ला के द्वारा आपराधिक गतिविधियों से जुड़ी साजिशें की जा रही थीं, जिसको लेकर एक पूर्व सहयोगी के साथ उसका गंभीर विवाद उत्पन्न हो गया था। इसी रंजिश के कारण सुपारी देकर हत्या की साजिश रची गई थी और योजनाबद्ध तरीके से घटना के दिन ही साजिशकर्ता ने पूर्व के एक मामले में कोर्ट में सरेंडर कर दिया था।

अमन का था आपराधिक इतिहासः एसएसपी ने बताया कि मृतक अमन शुक्ला का आपराधिक इतिहास रहा है। वह पहले भी डकैती के एक मामले में आरोपी रह चुका था। जेल से बाहर आने के बाद उसकी गतिविधियों पर कई लोगों की नजर थी। पुलिस का कहना है कि पूरे मामले में तकनीकी साक्ष्यों, कॉल डिटेल रिकॉर्ड और अभियुक्तों से पूछताछ के आधार पर कई अहम जानकारियां मिली हैं। जल्द ही इस हत्याकांड से जुड़े सभी पहलुओं का पूरी तरह खुलासा किया जाएगा।

5 जनवरी को हुई थी हत्याः पत्रकार नगर थाना क्षेत्र के मलाही पकड़ी चौक के पास अमन शुक्ला की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पत्नी और बच्चे के सामने उसको गोलियों से भून दिया गया।

मछली बनाने को लेकर हुआ विवाद, पत्नी ने जहर खाया; तीन साल पहले हुई थी लव मैरिज

सहरसा, एजेंसी। सहरसा जिले से एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां पति-पत्नी के बीच हुए मामूली विवाद ने एक विवाहिता की जान ले ली। बिहरा थाना क्षेत्र में मछली बनाने को लेकर हुए झगड़े के बाद एक महिला ने जहर खा लिया। गंभीर हालत में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां बुधवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतका की पहचान बिहरा थाना क्षेत्र के सिहौल वार्ड नंबर एक निवासी सरोज कुमार की 27 वर्षीय पत्नी अनीता देवी के रूप में हुई है।

मछली बनाने से इनकार पर शुरू हुआ विवाद : यह घटना 12 जनवरी की बताई जा रही है। मृतका के देवर अनोज कुमार ने बताया कि उनके भाई सरोज कुमार सुबह मछली खरीदकर घर लाए थे। उन्होंने पत्नी अनीता से मछली बनाने को कहा, लेकिन अनीता ने इससे इनकार कर दिया। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई, जो धीरे-धीरे बढ़ते हुए हाथापाई

तक पहुंच गई। उस वक्त घर में मौजूद सास-ससुर और देवर ने बीच-बचाव कर किसी तरह मामला शांत कराया।

घर में अकेली पाकर खा ली सल्फास की गोली : विवाद के बाद सरोज कुमार घर से बाहर चले गए। सास जीविका की बैठक में शामिल होने चली गईं और देवर भी अपने काम पर निकल गए। घर में अकेली रह गई अनीता ने गुस्से में आकर गेहूं में डालने वाली कीटनाशक सल्फास की गोली खा ली। शाम के समय जब अनीता को उल्टियां होने लगीं, तब परिजनों को किसी अनहोनी की आशंका हुई।

निजी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत : परिजन आनन-फानन में अनीता को पंचगाछिया के एक निजी क्लिनिक ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसकी हालत गंभीर बताते हुए बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया। इसके बाद उसे सहरसा शहर के सूर्या हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। यहां इलाज के दौरान बुधवार को उसकी मौत हो गई।

तीन साल पहले किया था प्रेम विवाह : परिजनों के मुताबिक, अनीता और सरोज ने तीन साल पहले प्रेम विवाह किया था। दोनों का एक साल का बेटा भी है। अनीता का मायका सुपौल जिले के गढ़बरुआरी में है। इस घटना के बाद एक साल के मासूम बच्चे के सिर से मां का साया उठ गया, जिससे पूरे परिवार में मातम पसरा हुआ है। अस्पताल प्रशासन की सूचना पर सहरसा सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। सदर थानाध्यक्ष सुबोध कुमार ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। फिलहाल पुलिस को इस मामले में कोई लिखित आवेदन नहीं मिला है, लेकिन जरूरी कागजी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

हत्या में देरी कर रहा था सुपारी किलर, तो ससुर के सब्र का टूटा बांध, पिस्टल लेकर पहुंचा बेटी के घर और कर दी हत्या

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। जिले के सिवाईपट्टी थाना क्षेत्र के बनघरा गांव में प्रेम विवाह को लेकर हुए सनसनीखेज हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। बेटी और नाती के सामने दामाद की गोली मारकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने मृतक के ससुर और पत्नी के मामा को गिरफ्तार किया है।

आयुष हत्याकांड में ससुर और मामा अरेस्टः 12 जनवरी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मृतक के ससुर प्रेम कुमार, निवासी बनघरा वार्ड संख्या-02, थाना सिवाईपट्टी और मृतक की पत्नी के मामा अभिषेक कुमार उर्फ हंसलाल कुमार, निवासी मीनापुर थाना क्षेत्र के रूप में हुई है।

सुपारी किलर ने की देरी तो ससुर ने की हत्याः डीएसपी पूर्वी-01 आलय वत्स ने बताया कि दोनों ने कबूलनामे में कहा है कि बेटी के कथित अपहरण के बाद से ही वे आयुष की हत्या की साजिश रच रहे थे। शुरुआत में आयुष की हत्या के लिए उन्होंने एक सुपारी किलर से संपर्क किया था, लेकिन जब सुपारी किलर ने इस काम में देरी की तो दोनों ने खुद ही हत्या की योजना बना ली। घटनास्थल से दो खोखा बरामदः मामले की गंभीरता को देखते हुए ग्रामीण एसपी के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पूर्वी-01 के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया था, जिसमें सिवाईपट्टी थाना पुलिस और जिला आसूचना इकाई को शामिल किया गया।

ऑर्केस्ट्रा डांसर से गैंगरेप मामले में 2 आरोपी गिरफ्तार

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया में आर्केस्ट्रा डांसर से गैंगरेप मामले में उप मुखिया पति की गिरफ्तारी के बाद दो अन्य आरोपी भी पकड़े गए हैं। मंगलवार देर रात छापेमारी कर गैंगरेप में शामिल मोहम्मद इरफान समेत बेबी नाम की महिला को दबोचा है। पुलिस ने गैंगरेप मामले में अब तक तीन आरोपियों की अरेस्टिंग कर ली है।

प्रमंडल के आईजी विवेकानंद ने बताया तीन आरोपियों का गिरफ्तार किया गया है। एसपी स्वीटी सहरावत के निर्देश पर स्पेशल टीम गठित की गई है। बाकी बचे तीन फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों से सख्ती से पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने इस वारदात में शामिल 5 आरोपियों की पहचान कर ली है। जिन्होंने जुनैद के गैराज में युवती के साथ हैवानियत की थी। गिरफ्तार आरोपियों से मिले सुराग के आधार पर बहुत जल्द सभी दरिंदे सलाखों के पीछे होंगे। किसी भी लड़की के साथ इस तरह की घटना होना अक्षम्य है। इसका कोई जस्टिफिकेशन नहीं हो सकता है। लड़की के साथ गलत हुआ है। पुलिस के लिए यही काफी है। इसी पर ध्यान में रखते हुए सख्त कार्रवाई की जाएगी। जानकारी के मुताबिक बेबी 10 साल पहले ऑटो चलाती थी। वो पहले मरंगा के हरदा में रहती थी। बाद में नेवा लाल चौक एरिया में शिफ्ट हो गई थी।

बच्चे की हत्या के बाद बिहार में बवाल, आक्रोशितों ने पुलिस को बनाया निशाना, कई घायल

छपरा, एजेंसी। शिवम हत्याकांड को लेकर मंगलवार को परिजनों और स्थानीय लोगों का गुस्सा सड़कों पर फूट पड़ा। न्याय की मांग को लेकर परिजनों ने शिवम (11) के शव को रेवा छपरा एनएच 722 स्थित भेल्दी चौक पर रखकर आक्रोशपूर्ण धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस दौरान पुलिस पर हमला कर दिया गया।

बच्चे की हत्या से भड़के लोगः प्रदर्शनकारी शिवम को न्याय दो और गुनहगार को फांसी दो के नारे लगाते रहे। पटना पीएमसीएच से पोस्मार्टम होने के बाद सोमवार की देर रात शिवम का शव गांव लाया गया था। परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार नहीं कि बल्कि शव को बीच सड़क पर रखकर जोरदार हंगामा किया गया।

सड़क पर जमकर किया हंगामाः अपहरण के 12 दिन बीतने के बाद भी पुलिस बच्चे को सकुशल बरामद नहीं कर पाई, इसको लेकर लोगों में काफी गुस्सा और आक्रोश देखने को मिला। पीड़ित परिजन घटना के बाद से बच्चे की तलाश में दर-दर भटक रहे थे। लोगों में आक्रोश इस बात को लेकर भी है कि घटना के बाद भी स्थानीय पुलिस प्रशासन या जन प्रतिनिधि किसी ने भी सुधि नहीं ली।

घंटों सड़क जामः लोगों का कहना है कि अगर पुलिस अधिकारी ससमय सही से सहयोग करते तो बच्चे की जान

बचाई जा सकती थी और सकुशल बरामद किया जा सकता था। धरना-प्रदर्शन के चलते एनएच पर छपरा-रेवा मार्ग सहित अमनौर-डेरनी मुख्य पथ पूरी तरह जाम हो गया था, जिससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई। घंटों तक यातायात बाधित रहा और आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

कई थानों की पुलिस पहुंचीः घटना की सूचना पर भेल्दी, अमनौर और डेरनी थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभालने के लिए अंचलाधिकारी अजय कुमार, मरहौरा एसडीपीओ नरेश पासवान और एसडीएम निधि राज भी घटनास्थल पर पहुंचे। अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को समझा-बुझाकर सड़क जाम हटवाने का प्रयास किया, लेकिन परिजन और भीड़ सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) को मौके पर बुलाने की मांग पर अड़े रहे।

पुलिस पर हमलाः अमनौर पुलिस को देख ग्रामीण आक्रोशित हो गए। आक्रोशित लोगों ने पुलिस पर अचानक हमला बोल दिया। ग्रामीण इतने आक्रोशित थे कि अमनौर थाने के वाहन को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया गया, जिससे बाजार में भगदड़ मच गई।

कई पुलिसकर्मी जख्मीः ग्रामीणों के हमले में दो चौकीदार रोहित, अभिषेक, एक होमगार्ड चंचल कुमार, इंस्पेक्टर के चालक बुरी तरह घायल हो गए। सभी का इलाज अमनौर पीएचसी में कराया गया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि शिवम के अपहरण और हत्या के मामले में अमनौर पुलिस ने गंभीर लापरवाही बरती, जिसके कारण समय रहते कार्रवाई नहीं हो सकी।

बीएसपी और बीएमपी की टीम तैनातः वहीं अमनौर थाने की दो गाड़ियों को भी ग्रामीणों ने निशाना बनाते हुए तोड़फोड़ की। भीड़ का कहना था कि जब तक एसएसपी खुद मौके पर आकर आश्वासन नहीं देते, तब तक धरना समाप्त नहीं किया जाएगा। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए मौके पर बीएसएपी और बीएमपी की टीम भी तैनात कर दी गई।

11 जनवरी को शव बरामदः गौरतलब है कि शिवम का अपहरण 31 दिसंबर को किया गया था। इसके बाद 11 जनवरी को उसका शव बरामद हुआ, जिससे पूरे इलाके में आक्रोश फैल गया। परिजन दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी और कड़ी सजा की मांग कर रहे थे।

संक्षिप्त समाचार

55 विद्यार्थियों को छोड़ सभी का परिणाम जारी

लखनऊ। प्राविधिक शिक्षा परिषद ओर से बुधवार को विषम सेमेस्टर व विशेष बैकपेपर परीक्षा का परिणाम जारी किया गया। ये परीक्षाएं नवंबर व दिसंबर में हुई थीं। 55 विद्यार्थियों का परिणाम रोका गया है। बताया गया कि जिनका परिणाम रुका है, उनकी उत्तपुस्तिकाओं में मोबाइल नंबर लिखे मिले हैं। प्राविधिक शिक्षा परिषद के सचिव नरेंद्र भूषण ने बताया कि कुल 644 उत्तर पुस्तिकाओं में मोबाइल नंबर लिखे मिले हैं। इनकी कॉपियों में शून्य अंक दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि बीते वर्ष 186 केंद्रों पर परीक्षा हुई थी। इसके बाद 6,54,790 कॉपियों का डिजिटल मूल्यांकन किया गया। परीक्षा में कुल 1,68,570 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। इनमें से 1,35,815 परीक्षार्थी विषम सेमेस्टर और 28,365 विशेष बैक पेपर परीक्षा में शामिल हुए थे।

लविवि में शोध और नवाचार को मिलेगा बढ़ावा : प्रो. सैनी

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ विश्वविद्यालय के नए कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने बुधवार को कार्यभार संभाल लिया। कुलपति का कार्यवाहक चार्ज संभाल रहीं प्रो. मनुका खन्ना ने उन्हें कार्यभार ग्रहण कराया। प्रो. सैनी ने कहा कि विश्वविद्यालय की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाना उनकी प्राथमिकता होगी। शिक्षा, शोध और नवाचार को लविवि की केंद्रीय धुरी बताते हुए कहा कि छात्र केंद्रित शिक्षा व्यवस्था को पटरी पर बनाए रखने के लिए हर कदम उठाए जाएंगे। साथ ही रैंकिंग को और बेहतर किया जाएगा। प्रो. सैनी ने कहा राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के प्रभावी और समयबद्ध क्रियान्वयन पर उनका विशेष ध्यान रहेग। डिजिटल शिक्षा के विस्तार को लेकर कहा कि राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अकादमिक साझेदारियों को बढ़ावा देने की दिशा में ठोस पहल की जाएगी। उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय को अकादमिक उत्कृष्टता, सामाजिक उत्तरदायित्व और वैश्विक पहचान की दिशा में अग्रसर करने हेतु सभी शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों से सक्रिय सहयोग की अपील की।

अपने जमाने के बड़े आलिम थे इमाम मूसा काजिम

लखनऊ। शिया समुदाय के सातवें इमाम हजरत मूसा काजिम की शहादत पर बुधवार को इमामबाड़ों और कर्बलाओं में मजलिस कर गम मनाया गया। कई जगहों इमाम के ताबूत की जियारत कराई गई। हुसैनाबाद स्थित छोटे इमामबाड़े में मजलिस को मौलाना जैगम अल गरवी ने खिताब किया। उन्होंने कहा कि इमाम मूसा काजिम अपने जमाने के सबसे बड़े आलिम थे। इसके बाद कैदखाने बगदाद का दिलसोज मंजर पेश किया गया। दस्ते खतीबुल ईमान की ओर से काजमैन स्थित रौजा ए काजमैन में मजलिस को मौलाना तनवीर अब्बास नजफी ने खिताब किया। इमाम के ताबूत की जियारत कराई गई। मौलाना अबु तालिब मेहंदी ने मसाएब बयान किए। दरिया वाली मस्जिद में मौलाना राशिद अस्करी ने मजलिस को खिताब किया। चौक स्थित इमामबाड़ा आगा बाकर में मौलाना मीसम जैदी ने मजलिस को खिताब किया। इसके बाद ताबूत की जियारत कराई गई। इस दौरान अंजुमनों ने नौहाख्वानी कर शहादत का गम मनाया। मौलाना सैयद कल्बे जवाद ने हजरत इमाम मूसा काजिम की शहादत के मौके पर बृहस्पतिवार को छोटे इमामबाड़े के आसपास की दुकानें बंद रखने की अपील की। मौलाना ने कहा कि इमामबाड़े में यहां के दुकानदार भी इमाम की शहादत के गम में शामिल हों।

ननिहाल में मासूम की मौत, 12 घंटे बाद तालाब में मिली डेढ़ साल की बच्ची की लाश

फिरोजाबाद , एजेंसी। फिरोजाबाद के जसराना में अपनी मां के साथ पिछले एक माह से ननिहाल में रह रही डेढ़ वर्ष की मासूम बुधवार की सायं चार बजे से लापता हो गई है। बच्ची के लापता होने की जानकारी पर थाना से पुलिस फोर्स मौके पर पहुंचा और बच्ची की तलाश की। लोगों द्वारा शक जाहिर करने पर घर के पास मौजूद तालाब को खाली कराया गया। पानी कम होने पर बृहस्पतिवार की सुबह साढ़े चार बच्ची का शव तालाब से बरामद हुआ। बच्ची का शव मिलने से परिवार में कोहराम मच गया। हत्या कर शव फेंकने की आशंका के बाद पुलिस जांच में जुट गई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। एटा के पटियाली गेट निवासी डेढ़ वर्ष की प्रज्ञा एक माह पूर्व अपनी मां रूबी के साथ अपनी ननिहाल नगला राजे थाना जसराना आई थी। एक माह से वह अपने नाना नाहर सिंह के यहां रह रही थी। बृहस्पतिवार को रूबी एवं बच्ची को बुलाने उसके पिता कमल प्रताप आने वाले थे। बुधवार की सायं चार बजे रूबी ने बच्ची को दूध पिलाया था। दूध पीने के बाद प्रज्ञा अन्य बच्चों के साथ खेलने लगी। इसी दौरान रूबी जसराना में खरीददारी करने आ गई। लौटकर पहुंची तो बच्ची नहीं मिली। मासूम के नहीं मिलने पर चीख पुकार मचने लगी। चीख पुकार मचने पर ग्रामीणों ने बच्ची को तलाशने का प्रयास किया। तलाशने के बाद भी नहीं मिलने पर सायं आठ बजे पुलिस को सूचना दी। डेढ़ वर्ष की मासूम के गायब होने की जानकारी मिलने पर सीओ प्रेमप्रकाश पांडेय थाना पुलिस के साथ मौके पर पहुंच गए।

बेटी के ब्याह के लिए खोली थी एफडी, पाई भी नहीं छोड़ी

लखनऊ, एजेंसी। कुछ समय पहले बेटी के ब्याह के लिए बैंक में एफडी खुलवाई थी। क्या पता था कि रकम ऐसे गायब हो जाएगी। साहब, पत्नी के नाम फर्जी एफडी तक खुल गई। जब पता चला तो तत्काल इसकी शिकायत भी की, लेकिन किसी ने कोई सुनवाई नहीं की। यह कहना है कुल्हड़ कट्ठा निवासी अवधेश का।

उन्होंने बताया कि चार लाख और तीन लाख रुपये की दो एफडी कराई थी, लेकिन यहां खाते में जमा 70 हजार रुपये भी निकाल लिए गए। उनकी पत्नी सरोजनी और बेटी जानकी के नाम पर 10-10 लाख रुपये की फर्जी एफडी तक बना दी गई और खाते से कुल 13 लाख रुपये निकाल लिए गए।

बुधवार को अवधेश की तरह और भी ठगी के शिकार ग्राहक बैंक ऑफ बड़ौदा की शकुंतला मिश्रा विश्वविद्यालय परिसर स्थित शाखा पहुंचे और यहां प्रबंधन के खिलाफ जमकर हंगामा किया। आक्रोशित लोगों ने बाहर से बैंक का चैनल गेट बंद कर धरना शुरू कर दिया। कुछ ही समय में हालात ऐसे हुए कि बैंक प्रबंधन को शाखा बंद करनी पड़ी। स्थिति संभालने के लिए पुलिस बुलानी पड़ी। अपनी जमा पूंजी वापस दिलाने की मांग करते हुए पीड़ित खाताधारकों ने बैंक अफसरों पर मिलीभगत का आरोप लगाते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की।

करीब तीन घंटे तक चले इस विरोध प्रदर्शन के दौरान शकुंतला मिश्रा विश्वविद्यालय में ही सहायक अध्यापक डॉ. आशुतोष पाठक ने बताया कि उनकी तनख्वाह इसी बैंक खाते में आती है। वह पांच लाख रुपये का चेक लगाकर नकद लेने यहां आए लेकिन उन्हें सिर्फ चार लाख रुपये दिए गए। उनकी बाकी रकम चार दिन बाद अलग-अलग तरीके से निकाल ली गई। बाद में 75 हजार रुपये निकाले जाने का मैसेज आया। फोन पर इस मैसेज ने उन्हें भौंचक्का कर दिया और आनन फानन में उन्होंने मदद के लिए 26 दिसंबर को पारा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई।

शिकायत के अभाव में लटकी कार्रवाई

धरने पर बैठे खाताधारकों ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए आरोपी बैंक मित्र शिवा राव को छोड़ने की बात कही। इस आरोप पर इंस्पेक्टर सुरेश सिंह ने कहा कि बैंक मित्र को शिकायत के आधार पर हिरासत में लिया गया लेकिन बिना किसी लिखित शिकायत किसी को थाना परिसर में बैठाकर नहीं रखा जा सकता। हालांकि बैंक मित्र के पास से दो लाख 40 हजार रुपये नकद बरामद हुए हैं और करीब तीन लाख रुपये दो अलग-अलग बैंक खातों में जमा रकम को होल्ड करा दिया है। शिकायत मिलने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उधर बैंक शाखा प्रबंधक हिमांशु कुकरेती का कहना है कि उन्होंने खाताधारकों से मिली शिकायतों के आधार पर पूरी रिपोर्ट तैयार कर उच्च अधिकारियों को भेज दी है। अधिकारियों के निर्देश मिलते ही आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई जाएगी। इसके अलावा बैंक स्तर पर भी जांच प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। बहरहाल, पीड़ितों ने दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी और पूरी रकम वापस दिलाने की मांग कर रहे हैं।

हवा की तरह उड़ते चले गए पैसे

बैंक के बाहर धरना दे रहे पीड़ित ग्राहकों में से एक सालिकराम तेज आवाज में चिल्ला रहे हैं। अपनी नम आंखें पोंछते हुए बोले- साहब, मेरे खाते से हवा की तरह पैसे उड़ते चले गए। उनके खाते में 17 लाख 30 हजार रुपये थे। जब स्टेटमेंट निकलवाने वह बैंक पहुंचे तो उन्हें पता चला कि 22 दिसंबर को दो लाख, 27 दिसंबर को तीन लाख, 23 जनवरी को पांच लाख, तीन मार्च को दो लाख, 11 अप्रैल को डेढ़ लाख और 2 सितंबर को तीन लाख 80 हजार रुपये किसी नाजिया बानो के खाते में ट्रांसफर कर दिए गए और इसकी कोई भी जानकारी उन्हें नहीं मिली। लगभग इसी तरह की कहानी वहां मौजूद हर ग्राहक के पास मिली।

भीड़ में खड़ीं मुन्नी शर्मा बताती हैं कि उनके खाते से चार लाख, राम सिंह ने 10 लाख, रुचि गौतम ने छह लाख, हितेश ने 64 हजार, अंशी ने तीन लाख, अंजली ने 85 हजार, सोनी यादव ने नौ हजार और विक्रम सेन ने अपने खाते से 11 हजार रुपये निकाले जाने की आपबीती सुनाई। इनका कहना है कि बैंक की यह ठगी किसी एक या दो नहीं बल्कि 50 से भी ज्यादा ग्राहकों के साथ हुई है।

बीओआई कर्मियों पर 64.82 करोड़ के गबन का आरोप

लखनऊ, एजेंसी। वन निगम के प्रबंध निदेशक अरविंद कुमार सिंह ने बैंक ऑफ इंडिया की सदर शाखा के कर्मचारियों पर विभाग के 64 करोड़ 82 लाख रुपये के गबन का आरोप लगाया है। आरोपहै कि बैंक कर्मियों ने फर्जी खाता खोलकर रकम ट्रांसफर कर ली। सोमवार को प्रबंध निदेशक ने गाजीपुर थाने में बैंक कर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है।

फर्जी खाते में ट्रांसफर हुई करोड़ों की रकम

प्रबंध निदेशक अरविंद कुमार ने बताया कि वन विभाग की 64.82 करोड़ रुपये की एफडी बैंक ऑफ महाराष्ट्र में थी, जिसकी अवधि पूरी हो गई थी। विभाग इस रकम को अन्य बैंकों में एफडी कराने की तैयारी कर रहा था। इसके लिए 29 दिसंबर 2025 को निविदाएं आमंत्रित की गईं, जिसकी अंतिम तिथि 30 दिसंबर थी।

निविदाएं खुलने पर बैंक ऑफ इंडिया की सदर शाखा ने सर्वाधिक 6.73 प्रतिशत ब्याज दर की पेशकश की, जिसके चलते उसका चयन किया गया। 31 दिसंबर को गोमतीनगर के विक्रांत खंड स्थित एचडीएफसी बैंक के शाखा प्रबंधक को यह रकम बीओआई को ट्रांसफर करने के निर्देश दिए गए थे।

बैंक से पत्र आने पर हुआ खुलासा

अरविंद का कहना है कि अगले दिन वन विभाग कार्यालय में बीओआई का पत्र आया, जो 22 दिसंबर को स्पीडपोस्ट किया गया था। पत्र में लिखा था कि 22 दिसंबर को उत्तर प्रदेश फॉरेस्ट कॉरपोरेशन के नाम पर बचत खाता खोला गया है, जिसमें 64.82 करोड़ रुपये जमा हुए। इसमें से केवल 6.82 करोड़ रुपये की एफडी की गई है। बैंक ने यह भी कहा कि खाता विभाग के एक कर्मचारी के कहने पर खोला गया है। प्रबंध निदेशक को यह सुनकर आश्चर्य हुआ, क्योंकि बताए गए विभाग के कर्मी कार्यरत ही नहीं थे। बैंक से पूरी रकम की रसीद मांगने पर कोई जवाब नहीं मिला। जांच के बाद प्रबंध निदेशक ने बैंक कर्मियों पर सरकारी धन के गबन का आरोप लगाते हुए गाजीपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई।

रकम ट्रांसफर न होने पर घटा दी ब्याज दर

प्रबंध निदेशक ने बताया कि जब रकम ट्रांसफर नहीं हुई, तो बैंक ने 1 जनवरी 2026 को विभाग को ई-मेल कर नए वर्ष का हवाला देते हुए ब्याज दर 6.73 से घटाकर 6.70 प्रतिशत कर दी, जिस पर विभाग राजी हो गया। इसके बाद पांच जनवरी को सहायक लेखाकार राजकुमार गौतम ने एफडी के लिए बैंक से संपर्क किया।

आखिर कब खत्म होगा इंतजार, सब कुछ ऑल ओके : तारीख पता नहीं

मेरठ , एजेंसी। बदलते शहर की धुरी पर मेरठ मेट्रो का संचालन जनता के लिए अबूझ पहेली बन गया है। वजह है सब कुछ ओके होने के बाद भी इस मेट्रो रेल परियोजना के संचालन के लिए तारीख का इंतजार। लंबे इंतजार की यह घड़ियां अब 35 लाख की आबादी वाले मेरठवासियों के माथे पर सिलवटें पैदा करने लगीं हैं। मेरठ मेट्रो का ट्रायल 22 जून 2025 को आरंभ हुआ था। ऐसे में मोटे तौर पर देखा जाए तो तब से अब तक सात महीने की अवधि में रोजाना हर 10 मिनट पर खाली कोच लेकर दौड़ने वाली मेरठ मेट्रो 12960 फेरे लगा चुकी है। ऐसे में ट्रायल के नाम पर पैसा, परिश्रम और वक्त तीनों की फिजूलखर्ची की वजहों को लेकर अफसर निरुत्तर हैं।

अरबों रुपये खर्च के बाद इस महात्वाकांक्षी परियोजना का आलम यह है कि स्टेशनों के टिकट विंडो पर धूल की परतें चढ़ने लगी हैं। एनसीआरटीसी के अफसरों का दावा है कि मेरठ साउथ स्टेशन से मोदीपुरम तक कॉरिडोर और सभी स्टेशनों पर काम पूरा हो गया है। इसके बाद नमो भारत और मेट्रो ट्रेदों के संचालन में क्या दिक्कतें हैं, इसे लेकर वह चुप्पी साध लेते हैं। सवाल उठता है कि अगर ट्रैक पूरी तरह तैयार है तो सात महीने से लगातार मेट्रो और नमो भारत का ट्रायल क्यों चल रहा है।

किसी भी ट्रैक के सत्यापन के लिए कितने दिन तक ट्रेनों का ट्रायल किया जाना चाहिए, इसका भी जवाब देने के लिए अधिकारी तैयार नहीं हैं। मेरठ साउथ से दिल्ली के बीच चलाई गई नमो भारत ट्रेन के लिए महज कुछ दिनों में ही ट्रायल पूरा कर लिया गया था। बड़े पुलों, फ्लाईओवरों पर भी स्पीड ट्रायल कुछ घंटे या दिनों में पूरा कर लिया जाता है। ऐसे में मेरठ मेट्रो के इतने लंबे ट्रायल की वजहों को लेकर अफसर और जनप्रतिनिधि दोनों ही मौन हैं। इतना जरूर बताया जा रहा है कि मेट्रो कॉरिडोर की फाइल पीएमओ में है। तिथि निर्धारित होते ही संचालन शुरू करा दिया जाएगा।

दिल्ली से मेरठ मोदीपुरम तक रैपिड का 82 किमी लंबा कॉरिडोर है। इसमें दिल्ली से मेरठ साउथ तक 55 किमी कॉरिडोर पर नमो भारत ट्रेन जनता को पहले ही सौंपी जा चुकी है। इसका लाभ मेरठ, गाजियाबाद के लोग ले रहे हैं। पिछले कई माह से मेरठ की जनता को मेरठ साउथ स्टेशन से मोदीपुरम तक 27 किमी कॉरिडोर पर 24 घंटे मेट्रो खाली दौड़ती नजर आ रही है।

पहले हर 10 मिनट पर मेट्रो के फेरे ट्रायल के नाम पर लगते थे, अब पिछले चार दिन से ट्रैक पर हर पांच मिनट में मेट्रो और नमो भारत ट्रेनें फर्राटे भर रही हैं। ट्रेनों की गति को देखकर फिर से मेरठ की जनता को मेट्रो संचालन की उम्मीदें बढ़ी हैं। अफसरों का कहना है कि मेरठ के 27 किमी कॉरिडोर की टेक्निकल रिपोर्ट पीएमओ को दिसंबर से पहले ही भेजी जा चुकी है। ट्रेन के शुभारंभ की तिथि पीएमओ से ही तय होगी।

12.37 लाख संभावित डुप्लीकेट मतदाताओं की सूची मिली, आधार से होगा सत्यापन

गोरखपुर , एजेंसी। जिले में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की मतदाता सूची का अब नए सिरे से सत्यापन शुरू हो गया है। चुनाव आयोग ने जिले में 12.37 लाख संभावित डुप्लिकेट मतदाताओं की सूची सौंपी है। इन मतदाताओं का सत्यापन 20 फरवरी तक करना है। अब इन मतदाताओं के घर जाकर बीएलओ आधार कार्ड के अंतिम चार नंबर से सत्यापन करेंगे। इसके लिए 1900 बीएलओ को लगाया गया है।

चुनाव आयोग ने इसके पहले नवंबर 2025 में विशेष साफ्टवेयर से परीक्षण कर 5.16 लाख संभावित डुप्लिकेट मतदाताओं की सूची जिला प्रशासन को सौंपी थी। यह सूची ब्लॉकवार तैयार की गई थी और इसमें समान नाम, पिता का नाम वाले मतदाताओं को शामिल किया गया था।

दो महीने तक सत्यापन कार्य के बाद 1,51,007 डुप्लिकेट मतदाता मिले थे, जिनका नाम सूची से हटाया गया। अब चुनाव आयोग ने जिले को यूनिट मानकर नई सूची भेजी है। इसमें नाम, पिता का नाम, ग्राम पंचायत का जिक्र है जिसका जिले स्तर पर सत्यापन कराया जा रहा है।

पंचायत चुनाव में बढ़ गए हैं 64,815 मतदाता

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की अनंतिम सूची का प्रकाशन कर दिया है। सूची के मुताबिक, जिले में 64815 मतदाता बढ़ गए हैं। सबसे ज्यादा भटहट ब्लॉक में 11451 और सबसे कम सरदारनगर में 789 मतदाता बढ़े हैं। अब कुल मतदाताओं की संख्या 29.88 लाख हो गई है। जिले में 1273 ग्राम पंचायतों में 1901 बीएलओ को लगाकर मतदाता सूची का सत्यापन कराया गया।

लविवि के 120 शिक्षक और शोधार्थी सम्मानित

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए बूस्ट योजना के तहत 120 शिक्षकों और शोधार्थियों को विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया गया। 62 शोधार्थियों व 50 शिक्षकों को उद्दीपन, सात शिक्षकों को प्रोत्साहन और एक शिक्षक को एक्लेम पुरस्कार दिया गया।

प्रो. मनुका खन्ना ने कहा कि यह पहल शिक्षण के साथ अनुसंधान और नवाचार को उच्च स्तर तक ले जाएगी। उन्होंने कहा कि बूस्ट पुरस्कार हमारे शिक्षकों और शोधार्थियों की अकादमिक उत्कृष्टता को प्रोत्साहन देने का माध्यम है। उद्दीपन पुरस्कार से सम्मानित शिक्षकों ने विज्ञान, शिक्षा और सामाजिक अध्ययन के क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता का काम किया है। अनुसंधान और शिक्षण से लविवि की प्रतिष्ठा को राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित किया है। विजेताओं को 1100 रुपये और प्रमाणपत्र दिया गया।

सात शिक्षकों को प्रोत्साहन पुरस्कार : सात शिक्षकों को नवाचारपरक अनुसंधान परियोजनाओं के लिए प्रोत्साहन पुरस्कार से नवाजा गया। इनमें डॉ. अजय सिंह, डॉ. आशा, डॉ. नेहा साहू व डॉ. सुषमा मिश्रा, डॉ. भरत कुमार और डॉ. रमेश चंद्रा शामिल रहे। इन्हें शोध कार्यों के लिए 20 हजार रुपये की धनराशि मिलेगी।

डॉ. फाजिल को अक्लेम पुरस्कार : उर्दू विभाग के डॉ. फाजिल अहसन हाशमी को उनकी पुस्तक केतु विश्वनाथ रेड्डी की कहानियां के लिए सम्मानित किया गया। उन्हें पश्चिम बंगाल उर्दू अकादमी ने शाह मकबूल अहमद अवॉर्ड से नवाजा था। प्रशंसा व सम्मान प्रमाणपत्र, पांच हजार की प्रोत्साहन राशि और पदक दिया गया।

श्रमिकों के हित में लेबर अड्डों पर लगे शिविर

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड ने श्रमिकों के कल्याण के लिए संचालित योजनाओं के प्रचार-प्रसार व श्रमिकों के पंजीयन/नवीनीकरण के लिए बुधवार को लेबर अड्डा मोहनलालगंज, बुद्धेश्वर, बाराबिरवा, आशियाना में शिविर लगाया।

इस दौरान श्रमिकों को कन्या विवाह सहायता योजना, मातृत्व, शिशु एवं बालिका मदद योजना, संत रविदास शिक्षा प्रोत्साहन योजना, निर्माण कामगार मृत्यु व दिव्यांगता सहायता योजना, गंभीर बीमारी सहायता योजना तथा अटल आवासीय विद्यालय योजना सहित बोर्ड द्वारा संचालित प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

30 करोड़ का टेंडर घोटाला: 50 से ज्यादा फाइलें जलीं

आगरा, एजेंसी। दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम में कई इंजीनियर और बाबू दागदार हैं। 30 करोड़ रुपये के टेंडर घोटाले में चार अधीक्षण अभियंता सहित 19 के विरुद्ध पुलिस जांच कर रही है। इससे पहले 2.10 करोड़ रुपये का एरियर घोटाला हो चुका है। दोनों मामलों में प्राथमिकी दर्ज होने के बाद भी गिरफ्तारी नहीं हुई।

कमिश्नरेट पुलिस की जांच में सुस्ती के कारण भ्रष्टाचार पर लगाम नहीं लग पा रही। टेंडर घोटाले में शामिल आरोपियों ने साक्ष्य तक जलाकर मिटा दिए। 50 से अधिक पत्रावलियां जला दी गईं। ऐसे में सवाल खड़ा हो रहा है कि बिना साक्ष्य जांच कैसे आगे बढ़ेगी। दूसरी तरफ क्या आरोपियों की गिरफ्तारी होगी। टेंडर घोटाले से पहले हुए एरियर घोटाला में आरोपी बाबू ने अपना और तीन अन्य कर्मियों का पिछले वर्षों का फर्जी एरियर दिखाकर 2.10 करोड़ रुपये निकाल लिए थे। इस मामले में विभाग की तरफ से प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। लेकिन, नतीजा सिफर रहा।

इधर, टेंडर पत्रावलियों में गड़बड़ियां पिछले साल भी सामने आई थीं। पिछले साल एक नवंबर को फतेहाबाद में तैनात बाबू नीरज पाठक को और फिर 10 नवंबर को सतीश कुमार को निलंबित किया था।

एआई इंजीनियर बनने का शानदार मौका...2.20 लाख फीस, चार साल का कोर्स

आगरा , एजेंसी। आगरा कॉलेज के फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में (एफईटी) अब छात्रों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित आधुनिक पाठ्यक्रम मई से शुरू होने जा रहा है। निजी इंजीनियरिंग कॉलेज में बीटेक करीब छह लाख रुपये में होती है। आगरा कॉलेज में इसका खर्च 2.20 लाख रुपये आएगा।

कॉलेज प्रबंधन ने इस सत्र से तीन नए पाठ्यक्रम शुरू करने की घोषणा की है। इनमें एआई इन मशीन लर्निंग, एआई इन डेटा साइंस और बीटेक इन बायोटेक शामिल हैं। इनमें से दो पाठ्यक्रम एआई से जुड़े हैं, जो भविष्य की तकनीक से जुड़े हैं। डिजिटल और उसके साथ ही एआई का मिलन छात्रों के भविष्य के नए दरवाजे खोलेगा। खास बात यह है कि ये कोर्स कम फीस में उपलब्ध होंगे, जिससे कई छात्रों को भी आधुनिक तकनीकी क्षेत्रों में कॅरिअर बनाने का अवसर मिलेगा।

संयोजक यादवेंद्र शर्मा ने बताया कि एआई से जुड़े कोर्स लाने की तैयारी लंबे समय से चल रही थी।

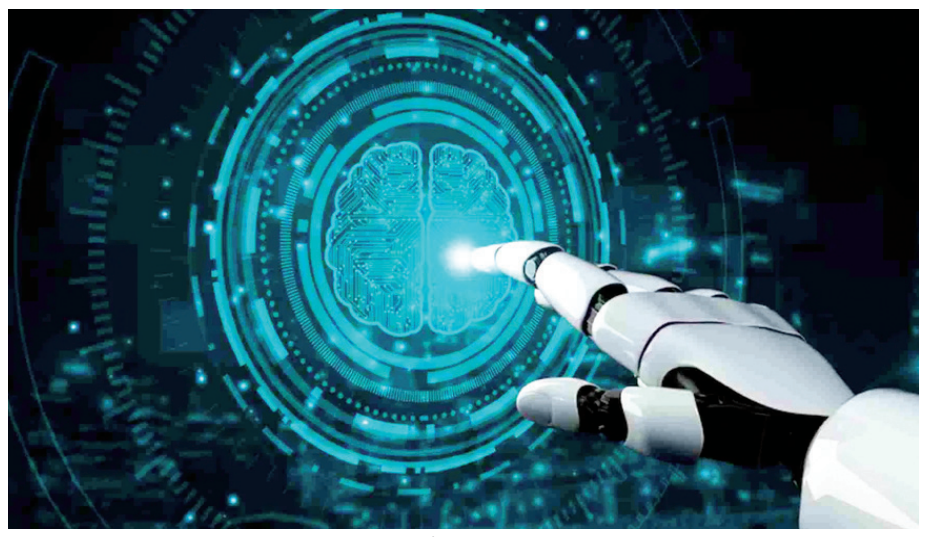

आने वाला समय एआई आधारित तकनीकों का है और छात्रों को उसी दिशा में सक्षम बनाना संस्थान की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि इस सत्र से ही इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू की जाएगी। मई में प्रवेश प्रक्रिया प्रस्तावित है। इंजीनियरिंग में इन नए विकल्पों के खुलने से छात्रों के लिए कॅरिअर के नए रास्ते तैयार होंगे और वे आधुनिक तकनीक के साथ अपने भविष्य को मजबूती दे सकेंगे।

62 कंपनियों के साथ एमओयू

संयोजक ने बताया कि इस वर्ष कॉलेज का 62 कंपनियों के साथ एमओयू किया गया है। इनमें 59 भारतीय और 3 विदेशी कंपनियां हैं। ऐसे में अब इंजीनियरिंग से जुड़े सभी पाठ्यक्रम के छात्रों को और बेहतर अवसर मिलेगा, प्लेसमेंट के चांस और अधिक हो जाएंगे।

ऑनलाइन होगी प्रवेश प्रक्रिया

प्राचार्य प्रो. सीके गौतम ने बताया कि एआई आधारित पाठ्यक्रम शुरू होने से छात्र पढ़ाई कर भविष्य बना सकेंगे। इसमें कॅरिअर बनाने के विशेष अवसर हैं। मई में पाठ्यक्रम शुरू कर रहे हैं। निजी कॉलेजों के मुकाबले यहां शुल्क भी बेहद कम है। प्रवेश प्रक्रिया ऑनलाइन होगी, जल्द प्रवेश प्रक्रिया कार्यक्रम जारी किया जाएगा।

दिल्ली में पलूशन से निपटने के लिए जारी 38 करोड़ रुपये खर्च नहीं कर पाई एमसीडी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में बढ़ते पलूशन से निपटने के लिए केंद्र सरकार की राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत साल 2024-25 में जारी किए गए 38.67 करोड़ रुपये नगर निगम) द्वारा खर्च नहीं किए जा सके। यह जानकारी दिल्ली विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान पूछे गए एक सवाल के जवाब में सामने आए।

पर्यावरण विभाग के उप सचिव की तरफ से बताया गया कि पलूशन नियंत्रण के लिए सड़क पक्की करना, मशीनों से सफाई और हरियाली बढ़ाने जैसे कामों के लिए यह पैसा एमसीडी को जारी किया गया था, लेकिन पूरे वित्तीय वर्ष के दौरान इसका उपयोग नहीं हो पाया।

सरकार की ओर से बताया गया कि देरी का मुख्य वजह टेंडर प्रक्रिया, बोलियों को जांचने और प्रशासन की तरफ से इसे पास करने में हुई देरी की वजह है। विधानसभा में दिए गए जवाब के मुताबिक, सड़कों को पक्का करने और गड्ढामुक्त सड़कें बनाने के लिए 36.67 करोड़ रुपये जारी किए गए थे। इसके लिए तीन बोलियां लगी थीं। इनमें दो की बोली 19 दिसंबर 2025 को खोली गई, जबकि तकनीकी बोलियों का मूल्यांकन अभी जारी है। वहीं, ट्रैफिक कॉरिडोर और अन्य इलाकों में हरियाली

बढ़ाने के लिए तय 2.01 करोड़ रुपये के प्रस्ताव फिलहाल प्रशासनिक मंजूरी के स्तर पर अटके हुए हैं। आधिकारिक रिकॉर्ड के मुताबिक, दिल्ली में एनसीएपी के तहत जारी की गई रकम का बड़ा हिस्सा अब तक खर्च नहीं हो पाया है। आंकड़ों के अनुसार, एनसीएपी के तहत कुल 81.34 करोड़ रुपये जारी किए गए, जिनमें से नगर निकायों द्वारा केवल 14.09 करोड़ रुपये ही खर्च किए गए हैं, जबकि शेष पैसा इस्तेमाल नहीं हुआ है।

इसके अलावा, 2021 से 2025 के बीच केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने एमसीडी और नई दिल्ली नगर पालिका परिषद जैसी एजेंसियों को 72.41 करोड़ रुपये जारी किए थे, जिनमें से करीब 59 करोड़ रुपये अब तक खर्च नहीं हो सके हैं।

सरकार ने बताया कि अब बची हुई राशि को पानी के छिड़काव, सड़क पक्की करने, गड्ढामुक्त सड़कें बनाने और ट्रैफिक कॉरिडोर में हरियाली जैसे कार्यों में खर्च किया जाएगा। हालांकि, कई परियोजनाएं अभी भी टेंडर मूल्यांकन या प्रशासनिक मंजूरी की प्रक्रिया में हैं।

दिल्ली वालों के लिए अच्छी खबर! इस साल मिलेंगे चार नए सरकारी अस्पताल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्लीवासियों को बेहतर चिकित्सा सुविधा देने एवं अस्पतालों पर मौजूद भार कम करने के लिए इस वर्ष चार नए अस्पताल सरकार खोलेगी। इनका निर्माण कार्य 65 से 85 प्रतिशत तक पूरा हो चुका है।

वहीं, अस्पताल के लिए फर्नीचर से लेकर भर्ती की भी तैयारी की जा रही है। इन चार अस्पतालों में 3200 से ज्यादा बेड मरीजों के लिए उपलब्ध होंगे। यह अस्पताल पश्चिमी दिल्ली के हस्तसाल, मादीपुर, ज्वालापुर और बाहरी दिल्ली के सिरसपुर में तैयार हो रहे हैं।

अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली में चार अस्पताल बनाने का कार्य वर्ष 2019-20 के दौरान शुरू किया गया था, लेकिन विभिन्न कारणों से इन अस्पतालों के निर्माण कार्य की रफ्तार धीमी रही। अब इनका कार्य तेजी से किया जा रहा है। इन चारों अस्पतालों को अगले आठ माह में पीडब्ल्यूडी द्वारा तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। इन अस्पतालों के तैयार होने से पश्चिमी दिल्ली में मौजूद दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल पर बोझ कम होगा जो आसपास के क्षेत्र के लिए बड़ा अस्पताल है। इसी तरह सिरसपुर में अस्पताल बनने से बादली, बवाना, स्वरूप नगर, नंगली पूना, खेड़ा कलां आदि इलाके में रहने वाले लोगों को लाभ होगा। पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा ने बताया कि एक हजार करोड़ रुपये खर्च किए जाने के बावजूद पूर्व सरकार द्वारा यह अस्पताल तैयार नहीं किए जा सके। इसे लेकर कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं में देरी मंजूर नहीं। पीडब्ल्यूडी सूत्रों ने बताया कि विभिन्न कारणों से यह प्रोजेक्ट लटके रहे।

भारी विरोध के बीच कांग्रेस नेता के घर चला बुलडोजर

नई दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) ने भारी विरोध के बीच बुधवार को कांग्रेस नेता राजेश यादव और करीब 10 ग्रामीणों के मकानों पर बुलडोजर चला दिया। इस दौरान करीब 100 कमरों को तोड़ा गया। विरोध कर रहे कांग्रेसी नेता को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। सुबह 10 बजे एचएसवीपी के एसडीओ ज्ञानचंद सैनी के नेतृत्व में तोड़फोड़ दस्ता सेक्टर-68 और सेक्टर-69 को विभाजित कर रही मुख्य सड़क पर भारी पुलिस बल के साथ सेक्टर-68 स्थित परीना मिकासा सोसाइटी के समीप बुलडोजर लेकर पहुंच गया। मुख्य सड़क के निर्माण के बीच में कांग्रेसी नेता राजेश यादव के अलावा 10 ग्रामीणों के मकान आ रहे हैं। राजेश यादव ने एचएसवीपी के अधिकारियों को बताया कि मकानों को तोड़ने से पहले उन्हें कोई नोटिस नहीं दिया गया। 30 साल पहले से यह मकान बना हुआ है। जमीन का अधिग्रहण एचएसवीपी ने किया है तो पहले उन्हें विस्थापित

किया जाए। जमीन और निर्माण की एवज में मुआवजा दिया जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि इस जमीन का मामला अदालत में विचाराधीन है। आग्रह के बावजूद जब तोड़फोड़ दस्ते ने बुलडोजर कार्रवाई शुरू की तो कांग्रेसी नेता राजेश यादव और ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। कांग्रेसी नेता और कुछ ग्रामीण बुलडोजर के सामने खड़े हो गए। एचएसवीपी अधिकारियों के निर्देश के बाद पुलिस ने कांग्रेसी नेता को हिरासत में ले लिया। आरोप है कि इस दौरान पुलिस बल का प्रयोग किया गया। इसके बाद एचएसवीपी ने शाम तक तोड़फोड़ की। एचएसवीपी के एसडीओ सर्वे ज्ञानचंद सैनी ने बताया कि इस जमीन का अधिग्रहण मुख्य सड़क के निर्माण के लिए किया है। अवॉर्ड सुना दिया है। कांग्रेस नेता और ग्रामीणों को इसकी जानकारी है।

दिल्ली में रिकॉर्ड तोड़ कड़ाके की ठंड

शीतलहर का येलो अलर्ट जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। लगातार तीसरे दिन शीतलहर की चपेट में रही। गलन भरी हवाओं के चलते लोगों को ठिठुरने पर मजबूर होना पड़ा। इस बार शीतलहर का दौर रिकॉर्ड तोड़ सकता है। आज सुबह से ही गलन वाली ठंड पड़ रही है। तापमान भी 5 डिग्री से कम बना हुआ है।

मौसम विभाग का अनुमान है कि गुरुवार को भी शीतलहर की स्थिति बनी रह सकती है। इसके लिए येलो अलर्ट भी जारी किया गया है। मौसम विभाग के आंकड़े बताते हैं कि बीते पंद्रह वर्षों में यह पांचवां मौका है जब लगातार तीन दिन या उससे ज्यादा शीतलहर की स्थिति बनी है। तीन दिन और ऐसे ही हालात बने रहे तो राजधानी में शीतलहर का दौर रिकॉर्ड तोड़ सकता है। तेज धूप के चलते दिल्ली में इस समय दिन के समय तो मौसम काफी राहत भरा महसूस हो रहा है। लेकिन, बर्फीली हवाओं के चलते शाम, रात और सुबह के समय लोगों उंगलियां सुन्न करने वाली ठंड पड़ रही है। खासतौर पर रात और सुबह के समय लोगों के लिए सामान्य कामकाज भारी पड़ रहा है। बुधवार को लगातार तीसरे दिन शीतलहर की स्थिति बनी रही।

दिल्ली के ज्यादातर इलाकों में सुबह के समय हल्का कोहरा छाया रहा। हालांकि, आठ बजे के लगभग कुछ जगहों पर कोहरा घना होने लगा।

पिता ने थप्पड़ बरसाए तो सौतेली मां ने बेहोशी तक डंडों से मारा

तीनों बच्चों को समझती थी बोझ, सौतेली मां करती थी क्रूरता

नई दिल्ली, एजेंसी। छह वर्षीय शिफा की हत्या के मामले में लगातार दिल दहला देने वाले खुलासे हो रहे हैं। घटना वाले दिन शिफा नाली में गिरकर कीचड़ से गंदी हो गई, जिस पर सौतेली मां निशा ने आपा खो दिया। पहले पिता ने थप्पड़ बरसाए और फिर मां ने तब तक डंडे बरसाए, जब तक शिफा अचेत नहीं हुई। बुधवार को दोनों को जेल भेज दिया गया।

पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि दूसरे निकाह के कुछ ही दिन बाद से निशा तीनों सौतेले बच्चों के साथ क्रूरता करने लगी थी। छोटी-छोटी बातों पर बच्चों की पिटाई की जाती थी। चप्पल लेकर कमरे में चले जाना, बर्तन इधर-उधर रख देना, बिस्तर के कपड़े ठीक से न तह करना और यहां तक कि ज्यादा खाना मांगने पर भी निशा बच्चों को बेरहमी से मारती थी।

अकरम ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि तीन साल पहले उसकी पहली पत्नी गुलजार की मौत हो चुकी है। वर्ष 2023 में उसने मेरठ के किठौर निवासी निशा से निकाह किया। अकरम के मुताबिक पहली पत्नी से पैदा तीनों बच्चों को निशा बोझ समझती थी और घर छोड़कर जाने की धमकी देती थी। उसे डर था कि दूसरी पत्नी भी चली गई तो वह तीनों बच्चों को कैसे पालेगा। इसी डर में वह निशा परवीन का साथ देता रहा और बच्चों पर हो रही मारपीट को रोक नहीं पाया।

10 जनवरी: वेव सिटी पुलिस के मुताबिक 10 जनवरी की शाम करीब छह बजे शिफा खेलते-खेलते नाली में गिर गई थी, जिससे उसके शरीर पर कीचड़ लग गया। इसी बात को लेकर निशा आग-बबूला हो गई और फोन कर अकरम को बुला लिया। अकरम भी गुस्से में आ गया और उसने भी बच्ची

को थप्पड़ मारे। इसके बाद निशा ने डंडे बरसाए।

11 जनवरी: शिफा अचेत अवस्था में रही और सौतेली मां ने उसे खाने तक को नहीं पूछा। दोपहर तक शिफा में कोई हलचल न होने पर घबराए अकरम ने उसे पहले मसूरी फिर पिलखुवा और फिर मेरठ में डॉक्टर को दिखाया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। रात करीब तीन बजे बच्ची के ननिहाल सूचना दी गई कि शिफा की हालत ज्यादा खराब है। 12 जनवरी: अकरम और निशा ने आनन-फानन में शव को सुपुर्देखाक करने की तैयारी शुरू कर दी। अंतिम संस्कार की तैयारी चल रही थी कि ननिहाल पक्ष के लोग पहुंच गए।

नेपाली कांग्रेस पार्टी में पड़ी फूट, गगन थापा चुने गए नए अध्यक्ष; 5 मार्च को देश में होंगे आम चुनाव

काठमांडु, एजेंसी। नेपाली कांग्रेस पार्टी बुधवार को औपचारिक रूप से विभाजित हो गई। दरअसल, महासचिव गगन थापा और विश्व प्रकाश शर्मा के नेतृत्व वाले दो गुटों और पार्टी अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा के बीच वार्ता किसी समझौते पर नहीं पहुंच सकी। सर्वसम्मति से 49 वर्षीय थापा को विशेष आम सम्मेलन में नेपाली कांग्रेस पार्टी का अध्यक्ष चुना गया था।देश की सबसे पुरानी और बड़ी पार्टी अंततः तब विभाजित हो गई, जब थापा और शर्मा द्वारा देउबा से पार्टी अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने की अंतिम समय की मांग को अस्वीकार कर दिया गया। दोनों महासचिवों ने देउबा से शीर्ष पद छोड़ने और आगामी संसदीय चुनाव न लड़ने का आग्रह किया, ताकि सितंबर में हुए जेन जी आंदोलन के दौरान जान गंवाने वाले युवा पीढ़ी की भावनाओं का सम्मान करते हुए एक संरक्षक की भूमिका निभाई जा सके। नेपाल में आम

चुनाव पांच मार्च को होने वाले हैं। भ्रष्टाचार और इंटरनेट मीडिया पर प्रतिबंध के खिलाफ युवाओं के नेतृत्व वाले जेन जी समूह द्वारा सरकार के विरुद्ध हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद के पी शर्मा ओली के नौ सितंबर को इस्तीफे के बाद चुनाव कराना आवश्यक हो गया था।

73 वर्षीय सुशीला कार्की 12 सितंबर को अंतरिम प्रधानमंत्री बनीं और उनकी सिफारिश पर राष्ट्रपति ने प्रतिनिधि सभा को भंग कर दिया और पांच मार्च को चुनाव की तारीख की घोषणा की।

● रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर ट्रंप का बड़ा बयान

जंग रोकने में पुतिन नहीं, जेलेंस्की बन रहे हैं बाधा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन-रूस युद्ध को खत्म करने वाले संभावित शांति समझौते में रुकावट रूस की तरफ से नहीं, बल्कि यूक्रेन की तरफ से आ रही है। ट्रंप का सीधा आरोप है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन डील के लिए तैयार हैं, लेकिन यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की इसमें ज्यादा उत्सुक नहीं दिख रहे। यह बयान ऐसे समय आया है जब यूरोपीय सहयोगी लगातार कहते रहे हैं कि मॉस्को युद्ध खत्म करने में कोई रुचि नहीं रखता है। ट्रंप ने ओवल ऑफिस में बुधवार को दिए इस इंटरव्यू में कहा, मुझे लगता है कि वह (पुतिन) डील करने के लिए तैयार हैं। मुझे लगता है कि यूक्रेन इससे कम तैयार है। जब उनसे पूछा गया कि अमेरिका के नेतृत्व वाली बातचीत से अब तक यूरोप के द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सबसे बड़े जमीनी संघर्ष को क्यों नहीं सुलझाया जा सका, तो ट्रंप ने सिर्फ एक शब्द में जवाब दिया- जेलेंस्की। ट्रंप के इस बयान से लगता है कि वे यूक्रेनी नेता से दोबारा नाराज हैं। ट्रंप और जेलेंस्की का रिश्ता शुरू से ही उतार-चढ़ाव भरा रहा है। हालांकि, ट्रंप के दोबारा सत्ता में आने के पहले साल में दोनों के बीच बातचीत कुछ बेहतर हुई थी। लेकिन अब ट्रंप ने फिर से जेलेंस्की पर इल्जाम लगाया है कि वे समझौते से पीछे हट रहे हैं।

दिल्ली में लॉरेंस बिश्नोई के शूटर्स संग एनकाउंटर, कांस्टेबल बचा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की नॉर्थ डिस्ट्रिक्ट एंटी-नारकोटिक्स टीम और बदमाशों के बीच बुधवार देर रात एक एनकाउंटर हुआ। गोलाबारी के बाद पुलिस ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग के दो शार्पशूटर्स को गिरफ्तार किया। एक गुप्त सूचना के बाद पुलिस ने हीरानाकी मोड के पास जाल बिछाया था। एनकाउंटर के दौरान दोनों तरफ से गोलीबारी हुई जिसमें एक अपराधी के पैर में गोली लगने से वह जख्मी हो गया। एक पुलिस कांस्टेबल को भी गोली लगी लेकिन बुलेटप्रूफ जैकेट की वजह से वह बाल-बाल बच गया। अपराधियों की पहचान दीपक और एक नाबालिग के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके कब्जे से दो पिस्टल, जिंदा कारतूस और एक स्कूटर बरामद की है। आरोपी हाल ही में पश्चिम विहार और वेस्ट विनोद नगर में हुई फायरिंग की घटनाओं में शामिल थे। पुलिस ने बताया कि सोमवार रात पश्चिम विहार में एक जिम के बाहर दो अज्ञात मोटरसाइकिल सवार बदमाशों ने कथित तौर पर हवाई फायरिंग की थी। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, फायरिंग की घटना की सूचना करीब 11 बजे मिली थी। घटनास्थल पर पहुंचने पर पुलिस को पता चला कि दो बाइक सवार शख्स ने पश्चिम विहार में आउटर रिंग रोड पर आरके फिटनेस के बाहर कई राउंड पायरिंग की।

चीनी सैन्य गतिविधि बढ़ी, पीएलए के नौ लड़ाकू विमान और 11 युद्धपोत ट्रैक किए गए

ताइपे, एजेंसी। ताइवान और चीन के बीच जारी तनाव के बीच एक बार फिर चीनी सेना की गतिविधियों में इजाफा देखा गया है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि उसने अपने क्षेत्र के आसपास पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के 9 लड़ाकू विमानों और 11 चीनी नौसैनिक जहाजों की मौजूदगी दर्ज की है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, इन सभी 9 विमानों ने मध्य रेखा को पार किया और ताइवान के उत्तरी, दक्षिण-पश्चिमी और पूर्वी एयर डिफेंस आइडेंटिफिकेशन जोन में प्रवेश किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए कहा आज सुबह 6 बजे तक ताइवान के आसपास 9 पीएलए विमान और 11 पीएलएएन जहाजों की गतिविधि दर्ज की गई। सभी विमानों ने मध्य रेखा पार की। स्थिति पर नजर रखी गई।

डायबिटीज और कैंसर से बचने के लिए डब्ल्यूएचओ का आह्वान

जेनेवा, एजेंसी। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि मोटापा, डायबिटीज, हृदय रोग, कैंसर और अन्य गैर-संक्रामक बीमारियां विशेष रूप से बच्चों और युवाओं में बड़ी समस्या बनकर उभरी है। इससे निपटने के लिए फ्रूट जूस, डब्बा बंद मीठे पेय पदार्थों और शराब पर कर बढ़ाना जरूरी है। रिपोर्टों में चिंता व्यक्त की है कि अधिकांश देशों में लगातार कम कर दरों के कारण मीठे पेय पदार्थ और मादक पेय सस्ते होते जा रहे हैं। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने वाले उत्पाद लगातार अधिक किफायती होते जा रहे हैं।उपभोग में सस्ते होने के कारण ये हानिकारक उत्पाद अरबों डालर का मुनाफा कमा रहे हैं। विश्व भर में स्वास्थ्य प्रणालियां रोके जा सकने वाले गैर-संक्रामक रोगों और चोटों से बढ़ते वित्तीय दबाव का सामना कर रही हैं। संगठन ने सरकारों से मीठे पेय पदार्थों और मादक पेय पदार्थों पर करों को काफी मजबूत करने का आह्वान किया है। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक डा. टेड्रोस अधानोम

घेब्रेयसस ने कहा, स्वास्थ्य कर स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और बीमारियों को रोकने के लिए हमारे पास मौजूद सबसे शक्तिशाली उपकरणों में से एक है। उन्होंने आगे कहा, तंबाकू, मीठे पेय पदार्थ और शराब जैसे उत्पादों पर कर बढ़ाकर सरकारें हानिकारक खपत को कम कर सकती हैं।

पहली मेडिकल इवैकुएशन में 4 अंतरिक्ष यात्रियों की आईएसएस से धरती पर वापसी

वाशिंगटन, एजेंसी। नासा ने अपने 65 वर्षों के मानव अंतरिक्ष उड़ान इतिहास में पहली बार एक ऐतिहासिक और संवेदनशील फैसला लेते हुए मेडिकल इवैकुएशन के तहत चार अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से पृथ्वी पर वापस बुला लिया है। यह मिशन तय समय से एक महीने पहले ही समाप्त कर दिया गया।

नासा, रूस और जापान के इन चार अंतरिक्ष यात्रियों ने बुधवार को स्पेस स्टेशन से विदाई ली और वे स्पेसएक्स कैप्सूल के जरिये गुरुवार तड़के कैलिफोर्निया के सैन डिएगो तट के पास प्रशांत महासागर में उतरने वाले हैं। इस मिशन में शामिल नासा की अंतरिक्ष यात्री जेना कार्डमैन ने भावुक होते हुए कहा हमारी वापसी का समय अचानक बदला, लेकिन सबसे खूबसूरत बात यह रही कि यह टीम एक परिवार की तरह एक-दूसरे का ख्याल रखती रही।

हालांकि नासा ने उस अंतरिक्ष यात्री की पहचान उजागर नहीं की, जिसे चिकित्सकीय देखभाल की आवश्यकता थी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यात्री की हालत स्थिर और सुरक्षित है तथा यह फैसला पूरी सावधानी के साथ लिया गया है ताकि धरती पर बेहतर मेडिकल जांच संभव हो सके। नासा ने यह भी साफ किया कि यह कोई आपात स्थिति नहीं थी, लेकिन अंतरिक्ष में रहते हुए इलाज में देरी करना जोखिम

भरा हो सकता था। इसलिए मिशन को छोटा करने का निर्णय लिया गया।

इस दल में शामिल अंतरिक्ष यात्रीः जेना कार्डमैन (अमेरिका)- पहली अंतरिक्ष उड़ान माइक फिन्के (अमेरिका)- अनुभवी अंतरिक्ष यात्री किमिया युई (जापान)- दूसरी अंतरिक्ष यात्रा ओलेग प्लातोनोव (रूस)- पहली अंतरिक्ष उड़ान स्पेस स्टेशन पर फिलहाल एक अमेरिकी और दो रूसी अंतरिक्ष यात्री मौजूद हैं। नासा और स्पेसएक्स अब फ्लोरिडा से नए दल की लॉन्चिंग की तारीख को आगे खिसकाने पर काम कर रहे हैं। नासा के नए प्रशासक जारेड आइजैकमैन ने इस फैसले पर कहा हमारे अंतरिक्ष यात्रियों का स्वास्थ्य और सुरक्षा हमेशा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी।

क्रू-11 को अगस्त 2025 में इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) के लिए लॉन्च किया गया था, जिसका मिशन मूल रूप से लगभग छह महीने तक चलने वाला था। अधिकारियों ने कहा कि एजेंसी और उसके अंतर्राष्ट्रीय सहयोगी कक्षा में चिकित्सा आपात स्थितियों के लिए नियमित रूप से प्रशिक्षण लेते हैं और जरूरत पड़ने पर प्रतिक्रिया देने के लिए तैयार हैं। दरअसल, क्रू-11 मिशन, आईएसएस पर निरंतर मानव उपस्थिति बनाए रखने के नासा के सतत प्रयासों का हिस्सा है। अपने प्रवास के दौरान अंतरिक्ष यात्री वैज्ञानिक अनुसंधान, प्रौद्योगिकी प्रदर्शन और स्टेशन के नियमित रखरखाव का कार्य कर रहे हैं। साथ ही भविष्य के मिशनों की तैयारियों में भी सहयोग कर रहे हैं। चालक दल के मध्य फरवरी 2026 तक कक्षा में रहने की उम्मीद थी।

संपादकीय | आकांक्षा, आत्मविश्वास और एक युवा राष्ट्र का युवा स्वप्न

भारत आज एक ऐसे निर्णायक मोड़ पर खड़ा है जहां 'युवा' केवल जनसंख्या आंकड़ों की श्रेणी नहीं, बल्कि नीति, राजनीति और राष्ट्रीय भविष्य की केंद्रीय धुरी बन चुका है. विश्व बैंक और संयुक्त राष्ट्र के अनुमान बताते हैं कि भारत की लगभग 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है और 2030 तक भारत के पास दुनिया का सबसे बड़ा कार्यशील आयु वर्ग होगा. यह तथ्य अक्सर गर्व से डेमोग्राफिक डिविडेंड के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, लेकिन इतिहास व राजनीतिक अर्थशास्त्र हमें सावधान करते हैं कि जनसंख्या तभी लाभदायक बनती है, जब उसे दृष्टि, अवसर और भागीदारी मिलती है.

इसी संदर्भ में राष्ट्रीय युवा दिवस केवल एक सांस्कृतिक या प्रतीकात्मक अवसर नहीं है, बल्कि यह एक नीतिगत प्रश्न खड़ा करता है : क्या भारत अपने युवाओं को केवल आर्थिक उत्पादकता की इकाई के रूप में देख रहा है, या उन्हें लोकतंत्र का सह-निर्माता और नैतिक साझेदार भी मान रहा है? रोजगार, कौशल और उद्यमिता आवश्यक हैं, किंतु पर्याप्त नहीं. जब तक युवा नीति-निर्माण, शासन और सार्वजनिक विमर्श में वास्तविक भागीदारी का अनुभव नहीं करता, तब तक 'युवा-केंद्रित विकास' एक अधूरा दावा ही रहेगा.

ऐसे में स्वामी विवेकानंद को स्मरण करना केवल ऐतिहासिक श्रद्धांजलि नहीं, बल्कि वैचारिक हस्तक्षेप बन जाता है. विवेकानंद को अक्सर प्रेरक वक्ता के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, जबकि वे आधुनिक भारत के सबसे गहरे राजनीतिक-सामाजिक चिंतकों में से थे. उन्होंने युवा को राष्ट्र की नैतिक ऊर्जा माना : ऐसी ऊर्जा जो महत्वाकांक्षा से संचालित हो, लेकिन

उत्तरदायित्व से अनुशासित रहे. उनके लिए आत्मविश्वास आत्ममुग्धता नहीं था, बल्कि चरित्र, आत्मसंयम और सेवा-भाव से उपजा हुआ साहस था. आज, जब सफलता को प्रायः व्यक्तिगत उपलब्धि, उपभोग और दृश्यता से मापा जा रहा है, विवेकानंद का यह दृष्टिकोण एक आवश्यक वैचारिक संतुलन प्रस्तुत करता है.

समकालीन भारत का युवा पहले से कहीं अधिक राजनीतिक रूप से सजग है. वह प्रश्न करता है, असहमति दर्ज करता है और सार्वजनिक मुद्दों पर अपनी उपस्थिति चाहता है. यह किसी भी जीवंत लोकतंत्र का संकेत है. किंतु असली चुनौती युवाओं की मुखरता नहीं, बल्कि संस्थाओं की ग्रहणशीलता है. क्या हमारी राजनीतिक, शैक्षणिक और प्रशासनिक संरचनाएं इस ऊर्जा को केवल नियंत्रित करना चाहती हैं, या उसे दिशा और स्थान भी देना चाहती हैं? विवेकानंद का युवा आलोचक भी था और निर्माता भी.

वह व्यवस्था पर प्रश्न उठाता था, लेकिन उसके सुधार की जिम्मेदारी से पीछे नहीं हटता था. आज के भारत को ठीक इसी प्रकार के सहभागी, दीर्घदृष्टि-संपन्न युवा नेतृत्व की आवश्यकता है. आंकड़े बताते हैं कि भारतीय युवा आज विज्ञान, तकनीक, खेल, संस्कृति और सार्वजनिक सेवा जैसे हर क्षेत्र में निर्णायक भूमिका निभा रहा है.

भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम विश्व के अग्रणी इकोसिस्टम्स में गिना जाने लगा है और इसमें युवाओं की केंद्रीय भूमिका है. लेकिन विवेकानंद हमें चेताते भी हैं कि यदि युवा ऊर्जा केवल आर्थिक लक्ष्यों तक सीमित रह जाए, तो वह राष्ट्र को तेज तो बना सकती है, पर दिशा नहीं दे सकती. दिशा तब आती है, जब वही ऊर्जा नैतिक स्पष्टता, सामाजिक संवेदनशीलता और सार्वजनिक उत्तरदायित्व से जुड़ती है.

राष्ट्रीय युवा दिवस का वास्तविक अर्थ यहीं निहित है. यह दिन हमें याद दिलाता है कि राष्ट्र का भविष्य घोषणाओं, नारों या जनसंख्या के आंकड़ों से तय नहीं होता, बल्कि उस भरोसे से तय होता है जो एक समाज अपने युवाओं पर करता है. यदि भारत अपने युवाओं को चेतन नागरिक, विचारशील भागीदार और नैतिक उत्तराधिकारी के रूप में स्वीकार करता है, तो यही युवा देश की सबसे बड़ी शक्ति बनेंगे, और उस राष्ट्रीय स्वप्न के सबसे विश्वसनीय वाहक भी, जिसकी कल्पना विवेकानंद ने वर्षों पहले की थी.

जंगल में जानवरों की इतनी हलचल क्यों ?

झारखंड में बीते नौ दिनों में एक हाथी ने 22 लोगों की जान ले ली है. उत्तराखंड में साल 2025 के दौरान वन्यजीवों ने 45 लोगों की जान ली. उत्तरप्रदेश में मानव-वन्यजीव संघर्ष में 60 से अधिक लोगों ने अपनी जान गंवाई. राज्य के बहराइच, बिजनौर, लखीमपुर, पीलीभीत और सीतापुर में जंगली जानवरों का आतंक चरम पर है. पिछले साल के पहले छह माह में केरल के पहाड़ी इलाकों में जंगली जानवरों के हमलों में 25 लोगों की मौत हुई. यही हाल राजस्थान, ओडिशा, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश आदि का भी है. उत्तराखंड से केरल तक के आंकड़े साफ करते हैं कि देश के अनेक राज्यों में जंगली जानवरों का आतंक बढ़ा है. महाराष्ट्र के मुंबई, पुणे, नासिक, नागपुर जैसे बड़े शहरों के रिहाइशी इलाकों तक तेंदुए पहुंच जाते हैं. हालांकि बाद में उन्हें पकड़ कर जंगल में छोड़ दिया जाता है, किंतु उनके आतंक का लंबा खेल चलता है. राज्य के ग्रामीण भागों में भी अनेक लोग उनके शिकार हो रहे हैं. साफ है कि जंगल में कुछ

हलचल है, जो मूलतः मानव निर्मित है. जंगल कटने से शाकाहारी जानवरों के भोजन की समस्या बढ़ रही है. हाईवे बनने से उनके रास्तों में अवरोध पैदा हो रहे हैं. नहर, सुरंग, रेलवे लाइन के नाम पर धमाके हो रहे हैं, जिनसे जानवरों के मन में डर पैदा हो रहा है और वे आक्रामक हो रहे हैं. उन्हें हमले के लिए पहले मानव ही दिखेंगे. जानकारों का मानना है कि मानव द्वंद्व के आंकड़े आने वाले वर्षों में और बढ़ेंगे. दरअसल सिमटते जंगलों के बीच जानवरों का वहां रहना मुश्किल होता जा रहा है. उनके रास्ता बदलने से भटकने की बड़ी गुंजाइश बन रही है. विकास के नाम पर वन्य जीवों के सहअस्तित्व के प्रकृति के नियमों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है. दावा यह किया जाता है कि पेड़ों को काटने के बाद उनको दूसरे स्थान पर कई गुना विस्तार दिया जाएगा. किंतु पेड़ों के साथ जीवन जीने वालों को तत्काल कोई हल नहीं मिलता है. पेड़ों को पनपने में कई साल लगते हैं. निश्चित ही विकास भी मानव की आवश्यकता है. आधारभूत सुविधाओं में अभी भी देश विकसित देशों की तुलना में कई साल पीछे है. मगर देश की प्रकृति का अपना अलग महत्व है, जिसे विकास की बलि नहीं चढ़ाया जा सकता. वन्य जीवों का बार-बार जंगलों से भागकर मनुष्यों की आबादी में आना सुरक्षा की दृष्टि से जितना चिंताजनक है, उतना ही वन्यजीवों की नजर से भी गंभीर है. प्राकृतिक संतुलन को केवल अपनी सुविधा के लिए तोड़ा न जाए. उसे बनाए रखना यदि अन्य जीवों के लिए आवश्यक है, तो मानव के लिए भी जरूरी है. प्रकृति सह-जीवन में ही कायम रह सकती है. असंतुलन विनाश की घंटी है, जिसकी चेतावनी वन्यजीवों के हमले दे रहे हैं. उन्हें केवल रोका नहीं जाना चाहिए, बल्कि विकास के साथ जल-जमीन-जंगल का आपसी तालमेल बनाया जाना चाहिए.

आज का कार्टून

देखा जाये तो सदियों तक द्वारका को मिथक कहकर खारिज किया गया, उसे आस्था का विषय कहकर इतिहास की किताबों से बाहर रखा गया। लेकिन अब वैज्ञानिक साक्ष्य सामने आने लगे हैं। साथ ही धार्मिक दृष्टि से द्वारका का महत्व असाधारण है। यह वह भूमि है जिसे भगवान श्रीकृष्ण की कर्मभूमि माना जाता है। पुराणों और महाभारत में वर्णित द्वारका कोई साधारण नगर नहीं थी, बल्कि एक समृद्ध, सुव्यवस्थित और शक्तिशाली नगरी थी। कहा जाता है कि श्रीकृष्ण ने मथुरा त्याग कर समुद्र तट पर इस नगर की स्थापना की थी ताकि अपने लोगों को निरंतर आक्रमणों से बचा सकें। यह निर्णय केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक दृष्टि से भी क्रांतिकारी था। द्वारका सप्तपुरी में गिनी जाती है और चारधाम परंपरा में इसका स्थान सर्वोच्च है। यहां स्थित द्वारकाधीश मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि सनातन परंपरा की जीवंतता का अनुपम उदाहरण है। हर वर्ष लाखों श्रद्धालु यहां आते हैं, केवल दर्शन के लिए नहीं, बल्कि उस इतिहास से जुडने के लिए जो पीढ़ियों से उनकी चेतना में प्रवाहित होता रहा है।

भगवान श्रीकृष्ण की नगरी द्वारका कल्पना नहीं हकीकत है

समुद्र और जमीन की गहराइयों में उतर कर सबूत सामने लायेगी एएसआई

नीरज कुमार दुबे

देखा जाये तो सदियों तक द्वारका को मिथक कहकर खारिज किया गया, उसे आस्था का विषय कहकर इतिहास की किताबों से बाहर रखा गया। लेकिन अब वैज्ञानिक साक्ष्य सामने आने लगे हैं। साथ ही धार्मिक दृष्टि से द्वारका का महत्व असाधारण है।

भारत के सांस्कृतिक और धार्मिक इतिहास में द्वारका का नाम केवल एक नगर भर नहीं है, बल्कि यह आस्था, विश्वास और सभ्यता की निरंतरता का जीवंत प्रतीक है। अब वही द्वारका एक बार फिर चर्चा के केंद्र में है। हम आपको बता दें कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने प्राचीन द्वारका की खोज को नए सिरे से, अधिक गहराई और गंभीरता के साथ आगे बढाने का निर्णय लिया है। इस बार यह अभियान केवल सतही अध्ययन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि जमीन और समुद्र दोनों में गहन खुदाई के जरिये इतिहास की दबी हुई परतों को उजागर करने का प्रयास होगा।

हम आपको बता दें कि अब तक हुए सीमित अध्ययनों में समुद्र के भीतर पत्थर की संरचनाएं, दीवारनुमा अवशेष और मानव बसावट के संकेत मिल चुके हैं। लेकिन इन संकेतों को निर्णायक प्रमाण में बदलने के लिए,स्ढ़ अब आधुनिक तकनीक, उन्नत उपकरण और विशेषज्ञों की बहुविषयक टीम के साथ आगे बढ़ रहा है। इस नए अभियान का केंद्र गोमती नदी का मुहाना, समुद्री किनारे के वे हिस्से जहां अब तक खुदाई नहीं हुई, और बेट द्वारका जैसे क्षेत्र होंगे।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार,,स्ढ़ के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि यह खुदाई केवल धार्मिक मान्यताओं की पुष्टि का प्रयास नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य यह समझना है कि प्राचीन द्वारका में जीवन कैसा था, वहां का शहरी ढांचा कैसा रहा होगा, व्यापार और संस्कृति किस स्तर पर थी और किस ऐतिहासिक प्रक्रिया के तहत यह नगर समुद्र में विलीन हुआ। यह अभियान भारत के समुद्री इतिहास, तटीय सभ्यता और प्राचीन नगर नियोजन की समझ को भी नया आयाम देगा। देखा जाये तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारका की समुद्री विरासत पर पहले ही सार्वजनिक रूप से ध्यान आकर्षित कर चुके हैं। हम आपको याद दिला दें कि साल 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब अरब सागर की उथली लहरों के भीतर गहराई तक उतरकर प्राचीन द्वारका नगरी के अवशेषों के पास हाथ जोड़े थे तब पूरा भारत मंत्रमुग्ध हो उठा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समुद्र के भीतर स्थित उस स्थल पर स्कूबा डाइविंग करते हुए भगवान श्रीकृष्ण की नगरी को अपनी आंखों से देखा था, उसे प्रणाम किया था और इसे 'दिव्य अनुभव' बताया था। उस दृश्य ने हजारों वर्षों से मौन इतिहास को एक जीवंत रूप में सामने ला दिया था। अब ,स्ढ़ की यह नई पहल इस विषय को ठोस ऐतिहासिक विमर्श में बदलने जा रही है।

देखा जाये तो सदियों तक द्वारका को मिथक कहकर खारिज किया गया, उसे आस्था का विषय कहकर इतिहास की किताबों से बाहर रखा गया। लेकिन अब वैज्ञानिक साक्ष्य सामने आने लगे हैं। साथ ही धार्मिक दृष्टि से द्वारका का महत्व असाधारण है। यह वह भूमि है जिसे भगवान श्रीकृष्ण की कर्मभूमि माना जाता है। पुराणों और महाभारत में वर्णित द्वारका कोई साधारण नगर नहीं थी, बल्कि एक समृद्ध, सुव्यवस्थित और शक्तिशाली नगरी थी। कहा जाता है कि श्रीकृष्ण ने मथुरा त्याग कर समुद्र तट पर इस नगर की स्थापना की थी ताकि अपने लोगों को निरंतर आक्रमणों से बचा सकें। यह निर्णय केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक दृष्टि से भी क्रांतिकारी था।

द्वारका सप्तपुरी में गिनी जाती है और चारधाम परंपरा में इसका स्थान सर्वोच्च है। यहां स्थित द्वारकाधीश मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि सनातन परंपरा की जीवंतता का अनुपम उदाहरण है। हर वर्ष लाखों श्रद्धालु यहां आते हैं, केवल दर्शन के लिए नहीं, बल्कि उस इतिहास से जुडने के लिए जो पीढ़ियों से उनकी चेतना में प्रवाहित होता रहा है।

आज जब,स्ढ़ समुद्र की गहराइयों में उतरने की तैयारी कर रहा है, तो वह केवल पत्थर और दीवारें खोजने नहीं जा रहा। वह उस स्मृति को खोजने जा रहा है जिसे लंबे समय तक नजरअंदाज किया गया। यह खोज उन प्रश्नों को चुनौती देती है जो कहते रहे कि भारत का प्राचीन इतिहास कल्पना पर आधारित है। द्वारका की खुदाई यह साबित करने की दिशा में कदम है कि हमारी परंपराएं, हमारे ग्रंथ और हमारी आस्थाएं किसी शून्य से नहीं उपजीं, बल्कि ठोस सामाजिक और भौगोलिक यथार्थ पर आधारित थीं।

यहां एक तीखा प्रश्न भी खड़ा होता है। यदि किसी अन्य सभ्यता से जुड़ा नगर समुद्र में डूबा मिलता, तो क्या उसे वैश्विक इतिहास की महान खोज नहीं कहा जाता। फिर द्वारका के साथ संकोच क्यों? क्या इसलिए कि यह भारत की धार्मिक चेतना से जुड़ी है।,स्ढ़ की यह पहल उस मानसिकता पर भी प्रहार है जो भारतीय इतिहास को हमेशा संदेह की दृष्टि से देखती रही।

देखा जाये तो धार्मिक महत्व के साथ-साथ द्वारका सांस्कृतिक स्वाभिमान का विषय भी है। यह हमें याद दिलाती है कि भारत केवल आक्रमणों और पराजयों की कहानी नहीं है, बल्कि नगर निर्माण, समुद्री व्यापार और सभ्य जीवन की भी गौरवशाली परंपरा रहा है। द्वारका की खोज उस आत्मविश्वास को पुनर्जीवित करती है जो हमें अपने अतीत से कटने नहीं देता।

बहरहाल, यह कहना गलत नहीं होगा कि द्वारका की खुदाई केवल अतीत को जानने का प्रयास नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा तय करने का साहसिक कदम है। यह धर्म और विज्ञान के टकराव की नहीं, बल्कि उनके संवाद की कहानी है। यदि यह खोज अपने लक्ष्य तक पहुंचती है, तो यह केवल इतिहास की किताबों में एक नया अध्याय नहीं जोड़ेगी, बल्कि भारत की आत्मा को वह सम्मान लौटाएगी जिसकी वह सदियों से प्रतीक्षा कर रही है।

क्या ताइवान को हड़प जाएगा चीन ?

आज तो पूरा ताइवान ही चीन के खिलाफ है. चीन हमले की कोशिश करेगा तो उसे भारी प्रतिरोध का सामना करना होगा. भीषण खून-खराबा होगा! वैसे चीन में शी जिनपिंग ने सत्ता में आने के बाद ही अपना इरादा स्पष्ट कर दिया कि वे ताइवान को चीन में मिला कर ही मानेंगे. यह उनके लिए इज्जत का सवाल बन चुका है. यदि वे ताइवान फतह कर लेते हैं तो चीन के वे सर्वकालिक सर्वशक्तिमान नेता बन जाएंगे. वैसे दोनों देशों की सैन्य शक्ति में जमीन-आसमान का अंतर है. लेकिन ताइवान को भरोसा है कि अमेरिका उसका साथ देगा. अमेरिकी थिंक टैंक द्वारा अभी-अभी किए गए एक अध्ययन में कहा भी गया है कि चीन हमला करता है तो उसके लिए जीतना आसान नहीं होगा.

विजय दर्डा

दुनिया में अभी जो हालात बने हुए हैं, उसमें हर किसी के मन में एक गंभीर सवाल तैर रहा है कि क्या चीन जल्दी ही ताइवान को हड़प लेगा और दुनिया देखती रह जाएगी? या फिर ताइवान को बचाने के लिए अमेरिका मैदान में कूदेगा? यदि ऐसा हुआ तो चीन की चाल क्या होगी? और सबसे बड़ा सवाल कि भारत पर इसका क्या असर होगा?

इस वक्त इस सवाल के गंभीर हो जाने का कारण यह है कि रूस ने यूक्रेन पर हमला कर रखा है और उसके सात हजार वर्ग किलोमीटर से ज्यादा इलाके पर कब्जा कर लिया है. अमेरिका जंग समाप्त कराने की जो कोशिश कर रहा है, उसमें कब्जे वाला इलाका रूस के पास ही रहने की बात हो रही है.

इधर अमेरिका ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति को पकड़ लिया और स्पष्ट है कि वेनेजुएला पर अमेरिकी कब्जा हो चुका है. ऐसे में चीन के पास ताइवान को हड़पने का सुनहरा मौका है. चीन के पास हड़पने का पुराना नुस्खा है. 1950-51 में उसने तिब्बत को हड़प लिया और दुनिया बस जुबानी जमा खर्च ही करती रही. और जहां तक ताइवान का सवाल है तो उसे अपने में समेट लेने की धमकी शी जिनपिंग हमेशा देते रहे हैं. उन्होंने अपनी सेना को तैयार रहने को भी कहा है. हर साल चीन इस तरह का सैन्य अभ्यास भी करता

है कि बस अब उस पर कब्जा करने ही वाला है. चीनी विमानों का ताइवान के आकाश में उड़ान भरना अब कोई नई बात नहीं रह गई है. चीन की चाहत है कि ताइवान उसके एक विमान को भी निशाना बनाए तो फिर हमले का बहाना मिल जाए. मगर ताइवान ने संयम बनाए रखा है. समझ लीजिए कि मामला बस यहीं रुका है!

आप में से बहुतों के मन में यह सवाल जरूर उठता होगा कि ताइवान को चीन आखिर क्यों हड़पना चाहता है? इसका जवाब पाने के लिए इतिहास में पीछे लौटना होगा. जापान ने 1931 में चीन पर कब्जा करना शुरू किया और 1945 तक चीन के बड़े हिस्से पर उसका कब्जा था. जापान के दो शहरों हिरोशिमा और नागासाकी पर अमेरिका ने बम गिराए तो दूसरा विश्वयुद्ध समाप्त हो गया.

इसके साथ ही चीन आजाद हो गया. देश का नाम पड़ा रिपब्लिक ऑफ चाइना. मगर दो पार्टियों में सत्ता की लड़ाई शुरू हो गई. सबसे पुरानी नेशनलिस्ट पार्टी कुओमिन्तांग थी. उसके नेता थे च्यांग काई-शेक. दूसरी थी कम्युनिस्ट पार्टी जिसके नेता थे माओ-त्से तुंग. दोनों के बीच जबर्दस्त लड़ाई हुई.

माओ भारी पड़े और च्यांग काई-शेक ने भाग कर चीन के समुद्री इलाके में शरण ली जिसे उन्होंने आजाद घोषित किया और देश का नाम रखा रिपब्लिक ऑफ चाइना जिसे आम-फहम भाषा में ताइवान कहा गया. इधर माओ-त्से तुंग ने अपने नियंत्रण वाले देश का नाम रखा पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना.

माओ चाह कर भी ताइवान पर कब्जा करने की स्थिति में नहीं थे क्योंकि चारों तरफ से समुद्र से घिरे ताइवान पर कब्जा करने के साधन उस समय उनके पास नहीं थे. कुछ छिटपुट लड़ाइयां हुईं लेकिन चीन को सफलता नहीं मिली.

वक्त ने करवट तब ली जब 1979 में चीन और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता हुआ. अमेरिका को एक बड़े बाजार की जरूरत थी और चीन के तत्कालीन राष्ट्रपति देंग शिआयोपिंग ने अमेरिका को इस बात के लिए राजी कर लिया कि वह केवल पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना को ही असली चीन माने.

अमेरिका मान गया और तत्कालीन राष्ट्रपति जिमी कार्टर ने रिपब्लिक ऑफ चाइना अर्थात ताइवान में अमेरिकी दूतावास बंद कर दिया. देंग शियाओपिंग ने तत्काल ताइवान को धमकी दी कि वो चीन में समा जाए. मगर यह हिम्मत नहीं हुई कि ताइवान पर हमला कर सकें. बाद में दोनों देशों के बीच विभिन्न स्तरों पर बातचीत होती रही और सच यही है कि तल्खी भी बढ़ती चली गई.

आज तो पूरा ताइवान ही चीन के खिलाफ है. चीन हमले की कोशिश करेगा तो उसे भारी प्रतिरोध का सामना करना होगा. भीषण खून-खराबा होगा! वैसे चीन में शी जिनपिंग ने सत्ता में आने के बाद ही अपना इरादा स्पष्ट कर दिया कि वे ताइवान को चीन में मिला कर ही मानेंगे. यह उनके लिए इज्जत का सवाल बन चुका है. यदि वे ताइवान फतह कर लेते हैं तो चीन के वे सर्वकालिक सर्वशक्तिमान नेता बन जाएंगे.

वैसे दोनों देशों की सैन्य शक्ति में जमीन-आसमान का अंतर है. लेकिन ताइवान को भरोसा है कि अमेरिका उसका साथ देगा. अमेरिकी थिंक टैंक द्वारा अभी-अभी किए गए एक अध्ययन में कहा भी गया है कि चीन हमला करता है तो उसके लिए जीतना आसान नहीं होगा. उसके एक लाख सैनिक मारे जा सकते हैं.

ताइवान के पचास हजार सैनिकों के साथ पचास हजार नागरिक तथा अमेरिका के पांच हजार सैनिक हताहत हो सकते हैं. रिपोर्ट का यह भी दावा है कि अंततः चीन को पीछे हटना पड़ेगा. अध्ययन में अमेरिकी सैनिकों के जिक्र का क्या मतलब है? मतलब साफ है कि ताइवान का साथ देने के लिए अमेरिका तैयार है.

इस बात को चीन समझ रहा है और यही कारण है कि वह ताइवान पर हमला नहीं कर पा रहा है. मगर वह रह-रह कर धमकी जरूर दे रहा है. यदि ये जंग हुई तो किसी के लिए भी अच्छा नहीं होगा. हम भी कहीं न कहीं जरूर प्रभावित होंगे. दुनिया के सारे देशों को समझना होगा कि जंग किसी समस्या का समाधान कभी नहीं हो सकता. लेकिन सिरफिरे नेताओं को कौन समझाए?

बांग्लादेश में क्रिकेटरों की हड़ताल से संकट, नहीं हुए मैच, बोर्ड झुका, डायरेक्टर को नोटिस दिया

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्डने अपने क्रिकेटरों के बायकॉट की धमकी के बाद आखिरकार अपनी चुप्पी तोड़ी है। बीसीबी ने अपने डायरेक्टर एम. नजमुल इस्लाम के विवादित 'इंडिया एजेंट' कमेंट पर बांग्लादेशी क्रिकेटरों से खेद जताते हुए माफी मांगी है। साथ ही इस्लाम को इस मामले में कारण बताओ नोटिस जारी किया है। हालांकि इस मुद्दे पर एकजुट हुए बांग्लादेशी क्रिकेटर फिलहाल शांत होते हुए नहीं दिख रहे हैं। क्रिकेटरों की संस्था सीडब्ल्यूएबी ने नजमुल इस्लाम के इस्तीफा देने तक बायकॉट जारी रहने का ऐलान किया है। इसके चलते ढाका क्रिकेट लीग में गुरुवार सुबह के लिए शेड्यूल चारों मैच शुरू नहीं हो पाए हैं। साथ ही गुरुवार शाम को बांग्लादेश प्रीमियर लीग के मैचों पर भी संकट खड़ा हो गया है। बता दें कि मुस्तफिजुर रहमान को से निष्कासित करने के बाद बांग्लादेश ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 के मैच भारत से शिफ्ट करने की मांग रखी हुई है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने फिलहाल ये मांग नहीं मानी है। इसे लेकर बांग्लादेश और भारत के बीच विवाद चल रहा है। ऐसे में कई बांग्लादेशी क्रिकेटरों ने बयान दिए थे, जिसके बाद बीसीबी डायरेक्टर नजमुल इस्लाम ने पूर्व कप्तान तमीम इकबाल समेत कई क्रिकेटरों को 'इंडिया एजेंट' कहकर पुकारा था। इस पर क्रिकेटर भड़के हुए हैं।

वेसली सो नें जीता टाटा स्टील इंडिया ब्लिट्ज़ का खिताब

कोलकाता, एजेंसी। यूएसए के ग्रांड मास्टर वेसली सो नें टाटा स्टील इंडिया ब्लिट्ज़ का खिताब अपने नाम कर लिया है , अंतिम तीन राउंड मे भारत के अर्जुन एरीगैसी को पीछे छोड़ते हुए खिताब अपने नाम कर लिया । वहीं भारत के निहाल सरीन नें रैपिड के बाद ब्लिट्ज़ में भी शानदार खेल दिखाते हुए दूसरे स्थान हासिल किया और अर्जुन तीसरे स्थान पर रहे । दोनों प्रतियोगिताओ में निहाल सर्वश्रेष्ठ भारतीय खिलाड़ी रहे । रैपिड जहां 9 राउंड का टूर्नामेंट था तो ब्लिट्ज़ कुल 18 राउंड का मुक़ाबला था और 15वें राउंड तक अर्जुन की जीत तय नजर आ रही थी पर अर्जुन का अंतिम राउंड में फिसलना यहाँ भी जारी रहा और पहले नीमन हंस फिर प्रज्ञानन्दा से हारकर वह खिताब की दौड़ में पिछड़ गए । वही निहाल सरीन नें अंतिम राउंड में चीन के वे यी को मात देते हुए टाईब्रेक में दूसरा स्थान हासिल कर लिया । अंत में 12 अंको के साथ वेसली सो पहले तो 11 अंको पर टाईब्रेक के आधार पर निहाल दूसरे और अर्जुन तीसरे स्थान पर रहे । महिला वर्ग में भारत की वन्तिका अग्रवाल और यूएसए की यीप करसिया नें 10.5 अंक बनाए पर टाईब्रेक में यीप पहले स्थान पर रही ।

विराट का नंबर वन का ताज खतरे में

न्यूज़ीलैंड का बल्लेबाज सिर्फ एक अंक पीछे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट के सुपरस्टार विराट कोहली हाल ही में आईसीसी वनडे बल्लेबाज रैंकिंग में नंबर एक बनकर लौटे थे, लेकिन अब उनका यह ताज लंबा नहीं टिकने वाला लगता है। न्यूजीलैंड के धुरंधर बल्लेबाज डेरिल मिचेल बस एक अंक की दूरी पर कोहली को पछाड़ सकते हैं। कोहली के हालिया प्रदर्शन और रैंकिंग अपडेट ने यह दर्शाया है कि तीसरे वनडे मैच में ही नई रैंकिंग तय हो सकती है।विराट कोहली ने अक्टूबर 2025 से अपने वनडे करियर में शानदार वापसी की। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में नाबाद अर्धशतक से शुरुआत करते हुए, उन्होंने लगातार चार मैचों में 50 से अधिक रन बनाए। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे में 93 रनों की मैच जिताऊ पारी खेलकर कोहली ने फिर से नंबर वन का ताज हासिल किया। इस लगातार प्रदर्शन के चलते उनके 785 रेटिंग पॉइंट्स के साथ यह दूसरी बार हुआ है जब उन्होंने 2021 के बाद नंबर 1 वनडे बल्लेबाज का स्थान हासिल किया। इस उपलब्धि के साथ कोहली वनडे में 11वीं बार नंबर 1 बल्लेबाज बने और कुल 825 दिनों तक यह मुकाम बनाए रखा – किसी भी भारतीय खिलाड़ी के लिए सबसे लंबा रिकॉर्ड।न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेरिल मिचेल फिलहाल विराट कोहली से सिर्फ एक अंक पीछे हैं। मिचेल ने पहले वनडे में 71 गेंदों पर 84 रन बनाए, जिससे वह रैंकिंग में तीसरे से दूसरे स्थान पर पहुंचे। इसके बाद दूसरे वनडे में उन्होंने नाबाद 131 रन की धमाकेदार पारी खेली। इस नजदीकी मुकाबले के चलते तीसरे वनडे का नतीजा ही तय करेगा कि नंबर वन बल्लेबाज कौन होगा।

मुझे हैरानी हुई कि न्यूज़ीलैंड इतनी आसानी से जीत गया: गावस्कर

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा कि उन्हें इस बात पर काफी हैरानी हुई कि राजकोट में दूसरे वनडे में न्यूजीलैंड ने भारत को इतनी आसानी से कैसे हरा दिया और रविवार को तीसरे और आखिरी मैच में घरेलू टीम को अपनी टीम कॉम्बिनेशन के साथ एक्सपेरिमेंट करने की आजादी नहीं दी। डेरिल मिशेल की नाबाद 131 रनों की पारी की बदौलत न्यूजीलैंड ने राजकोट में दूसरे वनडे में सीरीज बराबर करने वाली जीत हासिल की, क्योंकि मेहमान टीम ने 7 विकेट बाकी रहते 285 रनों का लक्ष्य हासिल कर लिया। अब सीरीज का फैसला इंदौर में होगा। गावस्कर ने जियोस्टार के 'अमूल क्रिकेट लाइव' पर कहा, 'मुझे हैरानी हुई कि न्यूजीलैंड इतनी आसानी से जीत गया, क्योंकि जब उन्होंने बैटिंग शुरू की, तो सभी को लगा था कि भारत पिच की धीमी गति का फायदा उठा पाएगा। उनके (न्यूजीलैंड के) गेंदबाजों ने सिर्फ स्पिनरों ने ही नहीं, बल्कि सभी ने पिच की धीमी गति का अच्छे से इस्तेमाल किया, ऐसा लगा कि भारत न्यूजीलैंड को लगभग 260 या 270 रनों पर रोक पाएगा। मुझे लगा था कि यह भारत के लिए आसान जीत होगी।' गावस्कर ने मिशेल की तारीफ की कि उन्होंने विल यंग (87) के साथ मिलकर 162 रनों की साझेदारी की जिसने मैच भारत से छीन लिया। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि उन्होंने दिखाया कि लगभग 300 रनों के टोटल का पीछा कैसे किया जा सकता है, समय लेकर सेट होने के बाद अपनी स्ट्रोक-मेकिंग क्षमता पर भरोसा करके और विकेटों के बीच दौड़कर।'गावस्कर ने कहा कि सीरीज के फाइनल में भारत पर दबाव होगा और उनके पास यशस्वी जायसवाल जैसे किसी खिलाड़ी को आजमाने की गुंजाइश नहीं है जिन्हें इंदौर मैच में शामिल किया जा सकता था। उन्होंने कहा, '...अगर वे यह मैच जीत जाते, तो उनके पास थोड़ा एक्सपेरिमेंट करने की आजादी होती, शायद उन खिलाड़ियों को मौका देते जो अब तक नहीं खेले हैं। जायसवाल जैसे किसी खिलाड़ी को भी थोड़ा मौका मिल सकता था। यह सब मुमकिन हो सकता था। लेकिन अब वे कोई चांस नहीं ले सकते। उन्हें फिर से अपनी सर्वश्रेष्ठ प्लेइंग इलेवन के साथ खेलना होगा।'

फीफा वर्ल्ड कप: 50 करोड़ टिकट्स की डिमांड !

लेकिन क्या फीफा विश्व कप पर बढ़ रही है सुरक्षा को लेकर चिंता?

न्यूयॉर्क, एजेंसी। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए टिकट रिक्वेस्ट 500 मिलियन पार कर गई हैं, जो वैश्विक उत्साह को दर्शाती हैं। लेकिन महंगे टिकट, सुरक्षा चिंताओं और अमेरिकी राजनीतिक अस्थिरता ने फैंस में बेचैनी पैदा कर दी है। हजारों फैंस टिकट प्रोसेस से बाहर हुए हैं और फीफा अब सुरक्षा व प्रतिष्ठा को लेकर इमरजेंसी प्लानिंग कर रहा है। फीफा वर्ल्ड कप 2026 को लेकर दुनियाभर में अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिल रहा है। फीफा के मुताबिक, सिर्फ एक महीने में 500 मिलियन (50 करोड़) से ज्यादा टिकट रिक्वेस्ट दर्ज की गईं। यह संख्या खुद में रिकॉर्ड है और बताती है कि दुनिया आज भी वर्ल्ड कप को लेकर कितनी दीवानी है। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फैनटिनो ने कहा, 'महज एक महीने में पांच लाख टिकटों के लिए अनुरोध आना सिर्फ मांग से कहीं अधिक है - यह एक वैश्विक संदेश है। 'हमारी एक ही खेद है कि हम हर फैन को स्टेडियम में जगह नहीं दे सकते।' टिकट रिक्वेस्ट फीफा के सभी 211 सदस्य देशों से आईं। मेजबान देशों (यूएसए, कनाडा, मेक्सिको) को छोड़कर सबसे ज्यादा डिमांड जर्मनी, इंग्लैंड, ब्राज़ील, स्पेन, पुर्तगाल, अर्जेंटीना और कोलंबिया से रही।

किन मैचों की सबसे ज्यादा मांग?

सबसे ज्यादा टिकट रिक्वेस्ट कोलंबिया बनाम पुर्तगाल (मियामी, 27 जून) के लिए आईं। इसके बाद, मेक्सिको बनाम दक्षिण कोरिया (गुआडालाजारा, 18 जून) और फाइनल (न्यू जर्सी, 19 जुलाई) मैचों के लिए रिक्वेस्ट आईं। लॉटरी रिजल्ट की घोषणा पांच फरवरी से पहले नहीं की जाएगी।

सुरक्षा और अशांति पर सवाल

उत्साह के साथ चिंता की एक परत भी जुड़ रही है। अमेरिकी शहरों में राजनीतिक तनाव, गोलीबारी की घटनाएं और कानून-व्यवस्था को लेकर आशंकाएं फैंस को हतोत्साहित कर रही हैं। रोया न्यूज के मुताबिक, 16,800 फैंस ने टिकट प्रोसेस से खुद को रातोंरात बाहर कर लिया, जिनमें से कई ने सोशल मीडिया पर बॉयकॉट कैंपेन को समर्थन दिया। कई विदेशी समर्थकों ने सुरक्षा, पुलिसिंग और संभावित अशांति की चिंताओं का हवाला दिया। मिनियापोलिस में आईसीई संबंधी गोलीबारी घटना के बाद फैंस के बीच डर और बढ़ गया।

नितीश कुमार रेड्डी हुए बाहर

तीसरे वनडे के लिए न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की संभावित प्लेइंग 11

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ दूसरे वनडे में शानदार वापसी की और 7 विकेट से जीत दर्ज करते हुए सीरीज को 1-1 से बराबर कर लिया। अब दोनों टीमों के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज का तीसरा मैच 18 जनवरी यानी रविवार को इंदौर के होलकर स्टेडियम में खेला जाएगा।

तीसरे वनडे मैच में भारत के पास सीरीज जीतने का मौका होगा, लेकिन इसके लिए भारतीय टीम को काफी संभलकर खेलने की जरूरत होगी क्योंकि दूसरे वनडे में कीवी टीम में शानदार क्रिकेट खेली थी और भारत को हर डिपार्टमेंट में मात दी थी। दूसरे वनडे को लेकर सुनील गावस्कर ने साफ तौर पर कहा था कि भारत ने अच्छी बैटिंग नहीं की (केएल राहुल को छोड़कर) साथ ही भारत ने पहले हाफ में अच्छी गेंदबाजी की, लेकिन फिर भारत की गेंदबाजी लड़खड़ा गई।होल्कर स्टेडियम के पिच की बात करें तो ये आमतौर पर बहुत सपाट होती है और गेंद, बल्ले पर काफी अच्छी तरीके से आती है जिससे रन बनाना आसान हो जाता है। इसकी वजह से यहां पर काफी बड़े स्कोर बनते हैं। यही नहीं इस मैदान की बाउंड्री काफी छोटी है और आउट फील्ड काफी तेज है जिसका मतलब है कि गेंद गैप में गई तो उसे फील्डर्स के लिए रोकना मुश्किल होता है। पिच पर शुरुआत में नमी की वजह से तेज गेंदबाजों को थोड़ी मदद मिल सकती है, लेकिन बाद में इनके लिए भी रन रोकना मुश्किल होता है तो वहीं स्पिनर्स को बीच के ओवर्स में टर्न मिल सकती है, लेकिन छोटी बाउंड्री के कारण उनके खिलाफ भी बड़े शॉट्स लगने का डर बना रहता है। इंदौर में रन खूब बनते हैं और इसके लिए भारत को एक शानदार बैटिंग लाइनअप के साथ मैदान पर उतरना होगा जिसमें और ज्यादा गहराई हो। यानी अगर नितीश कुमार रेड्डी की जगह निचले क्रम में इनफॉर्म ध्रुव जुरेल को मौका दिया जाए तो ये सही फैसला साबित हो सकता है। इस बदलाव से भारतीय बैटिंग लाइनअप और मजबूत हो जाएगी वहीं प्रसिद्ध कृष्णा की जगह अर्शदीप सिंह को आजमाया जा सकता है हालांकि ऐसा हो ये जरूरी नहीं है। भारत के लिए पारी की शुरुआत रोहित शर्मा और शुभमन गिल ही करेंगे जबकि टीम में अन्य किसी बदलाव की कोई संभावना नजर नहीं आती।

क्रिकेट का महाकुंभ: फैंस में भारत-पाक मैच का जुनून

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत-पाकिस्तान टी20 विश्व कप मुकाबले के टिकटों की बिक्री शुरू होते ही बुधवार को आधिकारिक वेबसाइट 'बुकमायशो' ठप (क्रैश) हो गई। पुरुषों के टी20 विश्व कप के लिए टिकटों की दूसरी चरण की बिक्री शुरू होने के कुछ ही मिनटों बाद कोलंबो में होने वाले इस बहुप्रतीक्षित मैच को लेकर भारी मांग उमड़ पड़ी। इस चरण में भारत-पाकिस्तान मुकाबले के टिकट शामिल किए गए थे, जिसके चलते वेबसाइट पर ट्रैफिक अचानक बहुत बढ़ गया। एक साथ बड़ी संख्या में लोगों के लॉगिन करने और टिकट खरीदने की कोशिशों के कारण वेबसाइट के सर्वर दबाव नहीं झेल पाए और ठप हो गए। सूत्र ने बताया, कई उपयोगकर्ताओं ने लेनदेन विफल होने और लंबे समय तक इंतजार की शिकायत की।

कनाडा ने टी-20 वर्ल्ड कप स्क्वॉड का किया ऐलान

पंजाब टीम में न चुने जाने के कारण भारत छोड़ने वाला खिलाड़ी बना कप्तान

नई दिल्ली, एजेंसी। कनाडा ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है. कभी क्रिकेट के लिए अपना देश छोड़ने वाले 22 साल के दिलप्रीत सिंह बाजवा कनाडा टीम की कप्तानी करेंगे. पंजाब में जन्में बाजवा साल 2020 में राज्य टीम में चयन न होने के कारण कनाडा चले गए थे.

ग्रुप डी में कनाडा की टीम

पूर्व कप्तान साद बिन जफ़र, कलीम सना, डिलन हेइलिगर, निकोलस किर्टन और नवनीत धालीवाल भी टीम का हिस्सा हैं. टूर्नामेंट में कनाडा की टीम ग्रुप ष्ठ में है, जिसमें साउथ अफ्रीका, न्यूजीलैंड, अफगानिस्तान और यूएई भी हैं. वे 9 फरवरी को अहमदाबाद में साउथ अफ्रीका के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेंगे. उनके सभी ग्रुप मैच भारत में होंगे.

दूसरी बार टी20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लेगी कनाडा की टीम

कनाडा की टीम दूसरी बार टी20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लेगी. इससे पहले 2024 में खेले गए पिछले एडिशन में भी कनाडा ने चुनौती पेश की थी, जहां उन्होंने आयरलैंड को हराया था. कनाडा ने अमेरिका रीजनल फाइनल जीतकर इस एडिशन के लिए क्वालिपफाई किया था. वे पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहे, उन्होंने अपने सभी छह मैच जीते.

कौन हैं दिलप्रीत सिंह बाजवा

26 जनवरी 2003 को पंजाब के गुरदासपुर में जन्में दिलप्रीत के पिता एग्रीक्लचर डिपार्टमेंट में थे, जबकि मां हरलीन कौर सरकारी टीचर थीं. साल 2020 में राज्य टीम में चुने न जाने के कारण वह कनाडा चले गए. 2023 वह मॉन्ट्रियल टाइगर्स के लिए ग्लोबल टी20 कनाडा खेले.

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लांट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा रातू पुलिस स्टेशन रांची में मुद्रित तथा विजय जनरल स्टोर, हिनू चौक रांची-834002 से प्रकाशित समस्त दिवानी विवाद न्यायोचित एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकारी रांची न्यायालय में रहेगा। पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। **प्रधान संपादक**-अन्नपूर्णा गुप्ता, कार्यालय नं.0651-2253830,मो.9471717919, 7895244551 ईमेलः alagpahchan@gmail.com, www.alagpahchan.com पोस्टल रजिस्ट्रेशन 2013 JHAHINO0575 RNI No.JHAHIN(2013) 66670